www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 21 सितम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 134 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

डिवाइडर से टकराने के बाद वोल्वो कार में लगी आग

तेलंगाना में मशहूर न्यूरोसर्जन डॉ के जगदीश बाबू जिंदा जले

सूर्यपेट (एजेंसी)। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पिल्लालामरी के पास एनएच-365पर खम्मम के मशहूर न्यूरोसर्जन डॉ के जगदीश बाबू की वोल्वो कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के तुरंत बाद कार में आग लग गई। कार में आग लगने से डॉक्टर की जलकर मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 7.15 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि डॉ.

जगदीश बाबू खम्मम से हैदराबाद जा रहे थे। वहां उनका परिवार रहता है। खम्मम रूरल सर्किल इंस्पेक्टर जी राजशेखर के अनुसार, शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि नींद पूरी न होने के कारण चालक का कार पर नियंत्रण बिगड़ा होगा। इसके बाद कार डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, टक्कर के साथ ही कार में आग लग गई और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। डॉक्टर अंदर फंस गए और उनकी मौके पर ही जलकर मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आग की वजह से शव बुरी तरह जल गया था जिसके चलते पहचान करना मुश्किल हुआ।

सिया ने दोस्त की फोटो लगाकर फेक इंस्टा-आईडी बनाई

बर्थडे सरप्राइज के बहाने मंगेतर को लोहगढ़ किले बुलाया

पुणे (एजेंसी)। केतन अग्रवाल हत्या मामले में पुणे पुलिस ने 5,053 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसके मुताबिक आरोपी सिया गोयल ने चेतन और रितेश के साथ मिलकर फेक इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया था। जिसके जरिए केतन को लोहगढ़ बुलाया गया था। पुलिस के मुताबिक इंस्टा अकाउंट में परिचित महिला की फोटो लगाई थी। इससे

केतन को मैसेज किया गया। उसे 18 जून को मंगेतर सिया के सरप्राइज बर्थडे के नाम पर लोहगढ़ बुलाया गया। घटना के बाद इसे डिलीट कर दिया गया। चार्जशीट के मुताबिक, आरोपियों ने हत्या से जुड़ी फिल्में देखीं, साजिश के लिए चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया और पुलिस से बचने के तरीकों पर पॉडकास्ट सुने। सिया गोयल, चेतन चौधरी और रितेश हांगे तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। तीनों पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में बंद हैं। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की गिरने से मौत हो गई।

बस्तर के जंगल में घुसी पुलिस तो फटी रह गई 'आंखें'

● जमीन के भीतर गड़ा मिला नक्सलियों का बड़ा खजाना

एके-47 के साथ ड्रम में भरकर रखे थे सोने के बिस्किट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। कड़े एंटी-नक्सल अभियानों के दौरान पुलिस ने जंगलों में बने नक्सलियों के कई गुप्त ठिकानों से भारी मात्रा में सोना बरामद किया है। पिछले दो सालों में पुलिस ने कम से कम 8 किलो सोना जब्त किया है, जिसमें से अधिकांश हालिया महीनों में बिस्कुट के रूप में मिला है। यह सोना बीजापुर जिले के बासागुड़ा और कुटरू तथा दंतेवाड़ा के बारसूर जैसे दूर-दराज के इलाकों में जमीन के नीचे प्लास्टिक के ड्रमों और बर्तनों में छुपाकर रखा गया था। **नोटबंदी के डर से सोने में बदल रहे थे काला धन-** एंटी-नक्सल अभियानों के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नोटबंदी के अनुभव के बाद नक्सलियों को यह समझ आ गया था कि भविष्य में ऐसे किसी भी आर्थिक झटके से बचने के लिए नकदी को सुरक्षित रखना जोखिम भरा है। यही वजह है कि उन्होंने अपने पैसे को सुरक्षित रखने के लिए सोने में निवेश करना शुरू कर दिया। नक्सलियों को यह पता चल गया था कि सोना एक तरल संपत्ति है।

पैसे की जगह इस्तेमाल करते थे सोने के सिक्के

पुलिस के मुताबिक, कई मौकों पर तो नकदी के बजाय सीधे अपने खास नेताओं या कैडर्स को खर्च चलाने के लिए सोने का बिस्कुट थमाया जाता था। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के लिए इन सभी डंप तक पहुंचना आसान नहीं है। कई गुप्त ठिकानों की जानकारी केवल केंद्रीय समिति के कुछ चुनिंदा शीर्ष नेताओं को ही थी, जिनमें से कई मारे जा चुके हैं। अब पुलिस पपा राव जैसे आत्मसमर्पण कर चुके कमेटी के कैडर्स की मदद से बाकी बचे डंपों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी को अपनी पार्टी छोड़कर स्टैंड-अप कॉमेडियन बनना चाहिए

● महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा अटैक

नागपुर (एजेंसी)। इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान की गई मिमिक्री को लेकर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उन पर निशाना साधा है। फडणवीस ने नागपुर मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो मिमिक्री कर रहे हैं, मैं तो ऐसा मानता हूं कि राहुल गांधी जी को पार्टी को छोड़कर स्टैंड-अप कॉमेडियन बनना चाहिए। क्योंकि उनकी पार्टी को तो उन्होंने बेरोजगार कर दिया है। अब कम से कम स्टैंड-अप कॉमेडियन का रोजगार उन्हें मिले। बता दें कि राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के तौर-तरीकों और सार्वजनिक रूप से उनके पेश आने वाले अंदाज की मिमिक्री की गई थी। परफॉर्मर ने पीएम मोदी की खास हंसी, हाथों के इशारों और लोगों का अभिवादन करने और गले मिलने के तरीके की नकल की। यह एक्ट राहुल गांधी के संबोधन वाले छात्रों पर केंद्रित कार्यक्रम के दौरान हुआ।

सीपीएम दफ्तरों में तोड़फोड़, पूर्व एमएलए के घर पर भी हमला

कोलकाता के जादवपुर में हिंसा, अज्ञात बाइक सवारों ने किया खेला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के जादवपुर इलाके में रविवार को भारी हिंसा और तोड़फोड़ की खबर सामने आई है। मोटरबाइक पर सवार अज्ञात उपद्रवियों के एक झुंड ने सीपीएम के कई पार्टी दफ्तरों को निशाना बनाया और पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक देबब्रत मजूमदार के घर व पार्टी ऑफिस पर भी हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, कोलकाता नगर निगम के 6 अलग-अलग वार्डों वार्ड संख्या 96, 99, 101, 102, 105 और 106 में सीपीएम के दफ्तरों में तोड़फोड़ की गई है। उपद्रवियों ने सीपीएम के पार्टी झंडों को नोंचकर जमीन पर फेंक दिया और कई जगहों पर शहीदों की वेदी को भी नुकसान पहुंचाया। इतना ही नहीं सबसे ज्यादा तनाव वार्ड नंबर 96 में देखने को मिला, जहां पूर्व टीएमसी विधायक देबब्रत मजूमदार का घर और पार्टी ऑफिस स्थित है।

कफ सिरप की बोतलों पर छपेगी 'लाल रंग' में चेतावनी

● चार साल से कम उम्र वाले बच्चों को देना होगा वर्जित

लेबल पर स्कूल जाने वाले बच्चों की तस्वीर का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बच्चों की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। इसके तहत जल्द ही कफ सिरप की बोतलों पर लाल रंग में यह स्पष्ट चेतावनी लिखी होगी कि यह दवा 4 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए। केंद्रीय दवा नियामक ने इसके लिए लेबलिंग नियमों में बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया है।

बता दें कि दवा नियामक के प्रस्ताव के मुताबिक, कफ सिरप की हर बोतल पर 65 फीसदी हिस्से में लाल रंग से यह चेतावनी साफ-साफ शब्दों में लिखी जाएगी कि इस दवा का इस्तेमाल 4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए न किया जाए। इसके अलावा, यह भी प्रस्ताव है कि सिरप के लेबल पर स्कूल जाने की उम्र के बच्चों की एक तस्वीर भी लगाई जाए, ताकि माता-पिता आसानी से समझ सकें। इस बदलाव को लागू करने के लिए सरकार को 'ड्रग्स रूल्स, 1945' के नियम 96 में संशोधन करना होगा। फिलहाल इस प्रस्ताव को 'ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी' के सामने विचार के लिए रखा गया है। गौरतलब है कि छोटे बच्चों को सर्दी-खांसी की दवाएं दिए जाने और उसके बाद सामने आने वाली शिकायतों को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। अक्टूबर 2025 में सख्त निर्देश जारी किए गए थे कि बच्चों को सिरप न दें।

पुल से उड़ी,हवा में पलटी और कंस्ट्रक्शन साइट पर जा गिरी

● मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार फ्लाईओवर से 75 फीट नीचे गिरी ● 3 लोगों की मौत,1 घायल; चारों की उम्र 17 से 23 के बीच

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5.20 बजे तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। चारों की उम्र 17 से 23 के बीच थी। बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद कार डिवाइडर से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मृतकों की पहचान शनाय गज्जल (21), आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान आदित्य ओसवाल (23) के तौर पर हुई है।

308 पहिए,200 टन वजन और बेल्जियम से यूपी का सफर!

बिहार की सड़क पर उतरा 'जॉयंट ट्रक', रोकनी पड़ गई रेलगाड़ी

पटना (एजेंसी)। बिहार के औरंगाबाद जिले स्थित बारुण में उस वक्त कौतूहल की स्थिति बन गई, जब 308 पहियों वाला एक विशालकाय ट्रक सड़क पर आ पहुंचा। ये ट्रक बेल्जियम से समुद्र के रास्ते ओडिशा पहुंचा था और वहां से सड़क मार्ग के जरिए उत्तर प्रदेश के बलरामपुर स्थित चीनी मिल में 200 टन वजनी शुगर मिल वेसल ले जा रहा था। अत्यधिक ऊंचाई और बड़े आकार के कारण यह रेलवे ओवरब्रिज के नीचे से नहीं निकल पा रहा था। इसे सुरक्षित निकालने के लिए रेलवे और तकनीकी टीमों को स्पेशल सर्विस लेन बनाने और बिजली के तार हटाने जैसे इंतजाम करने पड़े। ये भारी-भरकम शुगर मिल वेसल समुद्री मार्ग से भारत लाया गया था। इतने भारी कंसाइनमेंट को सड़क मार्ग से निकालना एक बड़ी चुनौती थी।

● **सुरक्षित रास्ते के लिए उठाए गए विशेष कदम-** कंसाइनमेंट को निकालने के लिए रेलवे की बिजली आपूर्ति को अस्थायी रूप से बंद किया गया। रास्ते में बाधा बन रहे बिजली के तारों और कुछ पुलों के हिस्सों को अस्थायी रूप से हटाया गया। ओवरब्रिज के नीचे से सुरक्षित निकासी के लिए एक विशेष सर्विस लेन तैयार की गई। पूरी प्रक्रिया के दौरान तकनीकी विशेषज्ञ और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर मुस्तैद रहे।

● आकाश की तरह शादी के बाद बदल सकती है,ईशान को आगे बढ़ाऊंगी

मायावती फिर पलटीं,बोलीं-भतीजी को पार्टी नहीं सौंपूंगी

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती के परिवार में सियासी कलह बढ़ती जा रही है। वह फिर अपने बयान से पलट गई हैं। अब भतीजी दीपिका आनंद को भी पार्टी की जिम्मेदारी सौंपने से इनकार कर दिया है। साथ ही आकाश के छोटे भाई ईशान को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। मायावती ने रविवार को एक्स पर लिखा- आकाश अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में पूरी तरह आ चुके हैं। ऐसे में उन्हें दोबारा पार्टी में लेना पार्टी के साथ बड़ा विश्वासघात होगा। मैं ऐसा गलत काम कदापि नहीं करूंगी। मायावती ने कहा-भतीजी का शादी के बाद मामला भी अगर आकाश आनंद की तरह ही निकला तो यह पार्टी हित में सही नहीं होगा। इसलिए दोनों को पार्टी की जिम्मेदारियों से दूर रखा जाएगा। अब इस फैसले में बदलाव नहीं होगा। अब इन दोनों की जगह आनंद कुमार के परिवार से केवल ईशान को ही पार्टी में जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा। 7 दिन पहले मायावती ने भतीजी दीपिका आनंद को पार्टी की कमान सौंपने के संकेत दिए थे। कहा था- अगर भाई आनंद कुमार को मदद के लिए किसी सदस्य की जरूरत पड़ती है, तो वह अपनी इकलौती बेटी दीपिका की मदद ले सकते हैं।

आनंद कुमार के आग्रह पर आकाश को आगे किया था

मायावती ने कहा- आनंद कुमार के विशेष आग्रह पर मुझे उनके बड़े बेटे आकाश आनंद को राजनीति में आगे करना पड़ा। शादी के बाद आकाश आनंद का रवैया और गतिविधियां ऐसी रहीं, जिसकी वजह से कुछ दिन पहले उन्हें पार्टी से अलग करना पड़ा। ऐसे में आनंद कुमार के परिवार में से किसे पार्टी में आगे किया जाए या नहीं, यह मेरे लिए पिछले कुछ समय से दुविधा का विषय था। बसपा सुप्रीमो ने कहा- मैंने फैसला लिया है कि आनंद के परिवार से ऐसे सदस्य को आगे किया जाए, जो आकाश के रास्ते पर बिल्कुल न चले। ऐसे में ईशान आनंद को ही पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा। अभी तक लगता है कि उनका आकाश आनंद और उनकी बहन की तरह पार्टी विरोधी गतिविधियों से कोई संबंध नहीं रहेगा। हालांकि, आगे क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। अगर उन्होंने भी पार्टी विरोधी कोई गंभीर काम किया तो उन्हें भी पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में आनंद कुमार के परिवार के किसी अन्य सदस्य को पार्टी में कोई छोटी-बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके बजाय पार्टी में काम कर रहे दलित वर्ग के किसी मिशनरी और वफादार कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया जाएगा।

यूक्रेन का मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

● रूस में संसदीय चुनाव के बीच दागे 1000 से ज्यादा ड्रोन

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन की सेना ने रात भर रूस को निशाना बनाकर 1,000 से अधिक ड्रोन हमले किए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस की राजधानी मॉस्को के मेयर ने बताया कि यह मॉस्को पर ''अब तक का सबसे बड़ा'' हमला है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके बलों ने पूरे देश के साथ-साथ रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी प्रायद्वीप क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र में यूक्रेन के 1,100 ड्रोन मार गिराए।

● **यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों में भी चुनाव-** रूस के संसदीय चुनाव में पहली बार उन क्षेत्रों के निवासी भी शामिल हो रहे हैं, जिन पर मॉस्को ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद कब्जा कर लिया था। यह रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय 'क्रेमलिन' द्वारा अपने कब्जे वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है।

भारत 2030 तक बनाएगा 'हाई स्पीड' बुलेट ट्रेन

● 350 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी इस ट्रेन की रफ्तार ● जापान की ई-10 सीरीज ट्रेनों को देगी यह टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2030 तक 350 किमी/घंटा (बी 35) की डिजाइन स्पीड वाली स्वदेशी हाई-स्पीड या बुलेट ट्रेन बनाएगा। ये ट्रेनें जापान की अगली पीढ़ी की ई10 सीरीज की ट्रेनों जैसी होंगी, जिनका प्रोडक्शन भी उसी साल शुरू होना है। यह प्रस्ताव मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट की बदली हुई लागत को मंजूरी देने के लिए था। रेलवे मंत्रालय के कैबिनेट ने प्रोजेक्ट की बदली हुई लागत को मंजूरी दे दी है और ये लागत 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह 2015 में तैयार किए गए शुरुआती अनुमान से लगभग दोगुना है। बढ़ी हुई लागत में से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का खर्च बजट से पूरा किया जाएगा। कैबिनेट को बताया है कि उसने बी 35 ट्रेनें

बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम तब उठाया गया जब जापान ने दिसंबर 2024 में बताया कि मौजूदा ई 5 सीरीज की ट्रेनों का प्रोडक्शन धीरे-धीरे बंद किया जा रहा है। इसमें बताया गया है कि जापान ने संकेत दिया है कि ई 10 ट्रेनों का प्रोडक्शन 2030 में शुरू होगा और वे 2034 तक ऑपरेशन के लिए तैयार हो जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि ई 10 ट्रेनों के उपलब्ध होने पर उन्हें चलाने पर विचार किया जाएगा।

भारत खुद डेवलप करेगा अपना सिस्टम- मंत्रालय ने कहा है कि देश में बनी बी 28 हाई-स्पीड ट्रेनों का मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर दी गई है और भारत अपना खुद का भारत ट्रेन कंट्रोल सिस्टम भी विकसित करेगा। यह कदम चीन के अपने सीटीसीएस सिग्नलिंग और ट्रेन कंट्रोल सिस्टम जैसा ही है, जो पारंपरिक और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क पर स्पीड, ट्रेनों के बीच की दूरी और सुरक्षा को मैनेज करता है।

शुरुआत में चलेंगी बी28 ट्रेनें

भविष्य में आने वाली जापानी ट्रेनों को छोड़कर, प्रोजेक्ट की मौजूदा लागत लगभग 399 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर बैठती है। शुरुआत में मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर बी 28 ट्रेनें चलेंगी जिनकी डिजाइन स्पीड 280 किमीप्रतिघंटा होगी, जबकि उनकी ज्यादा से ज्यादा ऑपरेटिंग स्पीड 249 केएमपीएच होगी। बीईएमएल को 32 बी 28 ट्रेनें बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। उम्मीद है कि 2027 की पहली तिमाही तक ट्रायल रन के लिए दो प्रोटोटाइप ट्रेनें तैयार हो जाएंगी। बीईएमएल ने शुक्रवार को बीएसएफ को बताया कि उसे 15 और बी 28 ट्रेनें बनाने के लिए 5,400 करोड़ रुपये का एक अलग कॉन्ट्रैक्ट मिला है। पूरे 508 किमी. लंबे मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को दिसंबर 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

संपादकीय

हास्य की आड़ में व्यक्तिगत तंज

हल्के दिनों में सोशल मीडिया पर जिस प्रकार के राजनीतिक वीडियो बन रहे हैं वह अब राजनीतिक ना होकर व्यक्तिगत होने लगे हैं। राष्ट्रीय दलों के बीच एक दूसरे को नीचा दिखाने की सोशल मीडिया पर होड़ लगी हुई है जो एक आदर्श राजनीति के लिए अच्छी बात नही है। "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम के दौरान कसे गए तंज पर भाजपा की प्रतिक्रिया तेज हो रही है लेकिन सत्य तो यह है कि सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी तक को भी भाजपा द्वारा व्यक्ति का तौर पर ऐसे ही पोस्ट के द्वारा सैकड़ो बार कटाक्ष किया गया है। यह अब राजनीति का हिस्सा बन गया है अंतर सिर्फ इतना रह गया है कि अवसर देख कर राजनीतिक दल एक दूसरे को गलत ठहरा कर राजनीति कर रहे हैं। जब आलोचना और संवाद का स्थान कटाक्ष, व्यंग्य और तंज लेने लगते हैं, तब स्थिति चिंताजनक हो सकती है। विशेष रूप से आज के दौर में हंसी–मजाक और मनोरंजन की आड़ में राजनीतिक तंज करने का चलन तेजी से बढ़ा है। हास्य व्यंग्य साहित्य और कला का एक सशक्त माध्यम रहा है। इतिहास में अनेक लेखकों और कलाकारों ने व्यंग्य के जरिए समाज और सत्ता की कमियों को उजागर किया है। जब हास्य व्यंग्य का उद्देश्य केवल किसी व्यक्ति, दल या विचारधारा को नीचा दिखाना बन जाए, तब वह अपनी मूल भावना से भटक जाता है। सोशल मीडिया के युग में यह प्रवृत्ति और अधिक दिखाई देती है। छोटे वीडियो, मीम, चुटकुले और मंचीय प्रस्तुतियां लाखों लोगों तक कुछ ही मिनटों में पहुंच जाती हैं। इनमें कई बार राजनीतिक घटनाओं या नेताओं पर ऐसे तंज किए जाते हैं जो तथ्य से अधिक भावनाओं को प्रभावित करते हैं। लोग मनोरंजन के नाम पर इन्हें स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन धीरे–धीरे यही सामग्री उनकी सोच को प्रभावित करने लगती है। समस्या तब होती है जब हंसी के नाम पर किसी व्यक्ति की गरिमा, सामाजिक सौहार्द या लोकतांत्रिक मूल्यों को ठेस पहुंचाई जाती है। राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन विरोध को उपहास में बदल देना संवाद की संस्कृति को कमजोर करता है। इससे समाज में ध्रुवीकरण बढ़ता है और विभिन्न विचारधाराओं के बीच दूरी पैदा होती है। आवश्यक है कि व्यंग्य और आलोचना तथ्यपरक, मर्यादित और रचनात्मक हों। हंसी का उपयोग जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाए, न कि नफरत या भ्रम फैलाने के लिए। आज जरूरत इस बात की है कि समाज मनोरंजन और सूचना के बीच का अंतर समझे। किसी भी राजनीतिक तंज को अंतिम सत्य मानने के बजाय उसके पीछे के तथ्यों को परखे। साथ ही, सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को भी स्वस्थ आलोचना को स्वीकार करने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। हंसी का उद्देश्य केवल किसी को अपमानित करना या समाज में विभाजन पैदा करना बन जाए, तब वह मनोरंजन नहीं बल्कि एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन जाती है। इसलिए हंसी की आड़ में किए जाने वाले राजनीतिक तंज को समझदारी, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ देखने की आवश्यकता है।

भारत जोड़ो यात्रा के बाद छात्रों की गूंजः क्या कांग्रेस तलाश रही है नया वोट बैंक?

सौरभ वार्ष्णेय

राजनीति में जन रैलियां और जनसंपर्क अभियान, जन सभायें केवल भीड़ जुटाने या एकत्रित करने के साधन नहीं होते। वरन राजनीतिक दलों को समाज के अलग-अलग वर्गों के साथ अपना रिश्ता बनाने, मुद्दों को पहचान देने और पार्टी संगठन को नई ऊर्जा देने संचार का अवसर भी देते हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस के कर्णधार राहुल गांधी की छात्रों की गूंजइ कार्यक्रम पहल इसी दृष्टि से जनता की ओर अवना ध्यान खींच रही है। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस छात्रों के बीच अपनी विचारधारा और राजनीतिक संदेश को पहुंचाने में सफल हो रही है या यह आने वाले चुनावों के लिए नए वोट बैंक की तलाश की रणनीति है?

कांग्रेस का 17 जून 2026 को राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ छात्रों की गूंज अभियान अब देहरादून, प्रयागराज और पुणे तक पहुंच चुका है। कांग्रेस ने इसे केवल राहुल गांधी के कुछ कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा है। पार्टी ने इसके विस्तार की योजना बनाई है। जानकारी के अनुसार पहले चरण में 28 कार्यक्रम और आगे 800 शहरों या जिलों तक छात्र संपर्क बढ़ाने की योजना है। यहीं से इस अभियान का राजनीतिक महत्व समझ में आता है। हालांकि इसे विरोधी भी समझ रहे हैं लेकिन पेपर लीक समस्या का समाधान न मिलने से वह कांग्रेस के आगे शांति दिखाई दे रहे हैं।

अगर हम कांग्रेस की नई रणनीति की बात करें तो भारत जोड़ो यात्रा का मूल स्वर व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संपर्क था। राहुल गांधी ने पैदल यात्रा के माध्यम से विभिन्न राज्यों में लोगों से जनसंवाद किया। वह यात्रा कांग्रेस के लिए राजनीतिक पुन सम्पर्क का बड़ा प्रयोग थी क्योंकि राहुल गांधी की छवि जो प्रतिपार्टी ने धूमिल कर रखी थी उसे निखारने का का यह अवसर था जो कि बखूबी सिद्व सफल हुआ।छात्रों की गूंज का दायरा अपेक्षाकृत ज्यादा केंद्रित है। यहां निशाना एक खास सामाजिक समूह है छात्र, प्रतियोगी परीक्षा देने वाले युवा और रोजगार की तलाश में लगे नौजवान। कोटा में परीक्षा, शिक्षा का खर्च, प्रवेश की मुश्किलें और छात्रों के मानसिक दबाव जैसे मुद्दे उठाए गए। रिपोर्ट के अनुसार उस कार्यक्रम में 4,000 से अधिक लोग पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की थी। देहरादून में पेपर लीक, सरकारी नौकरियों और बेरोजगारी जैसे सवाल सामने आए। प्रयागराज में भी पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं और रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस ने छात्र राजनीति के लिए मुद्दों का एक निश्चित पैकेज तैयार किया है। पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और रोजगार के अवसर।इसका जवाब फिलहाल हां, लेकिन सीमित अर्थ मेंइ दिया जा सकता है। कांग्रेस ने छात्रों के सामने ऐसे मुद्दे रखे हैं जो उनके रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाला छात्र पेपर लीक को किसी राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि अपने कई वर्षों के परिश्रम से जुड़े सवाल के रूप में देखता है। नौकरी की तैयारी करने वाले युवा के लिए भर्ती परीक्षा में देरी या परीक्षा रद्द होना सीधे उसके भविष्य से जुड़ता है। यही वह जगह है जहां कांग्रेस को राजनीतिक अवसर दिखाई दे रहा है। प्रयागराज में बड़ी संख्या में छात्र और परीक्षा अभ्यर्थी कार्यक्रम में पहुंचे और कई ने परीक्षा व्यवस्था तथा रोजगार से जुड़े सवाल उठाए। लेकिन यहां सावधानी जरूरी है। किसी राजनीतिक कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी को सीधे कांग्रेस के समर्थन या वोट में बदल देना सही निष्कर्ष नहीं होगा। कार्यक्रम में आना, राहुल गांधी की बात सुनना और कांग्रेस को वोट देना तीन अलग-अलग बातें हैं। अभी यह कहना अधिक उचित होगा कि कांग्रेस ने छात्रों के बीच अपने मुद्दे पहुंचाने के लिए एक प्रभावी मंच बनाया है। यह मंच भविष्य में कितना राजनीतिक समर्थन पैदा करता है, इसका प्रमाण चुनाव और स्वतंत्र जनमत सर्वेक्षण ही देंगे। राजनीति में किसी समूह के बीच लगातार संपर्क अभियान चलाना स्वाभाविक रूप से राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश भी होता है। कांग्रेस के मामले में यह बात इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि पार्टी ने छात्रों की गूंजइ को चार शहरों तक सीमित नहीं रखा है। कांग्रेस की योजना 800 शहरों/जिलों तक पहुंचने की बताई गई है। पार्टी के भीतर इसे युवा मतदाताओं तक व्यापक पहुंच बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए इसे केवल सामाजिक संवाद कहना राजनीतिक दृष्टि से अधूरा होगा। लेकिन इसे नया वोट बैंक बन गयाइ कहना भी जल्दबाजी होगी।

युवा मतदाता कोई एकरूप समूह नहीं है। उसकी प्राथमिकताएं जाति, क्षेत्र, शिक्षा, रोजगार, आर्थिक स्थिति और राजनीतिक विचारों के आधार पर अलग-अलग हो सकती हैं। इसलिए केवल छात्रों के बीच लोकप्रियता का अर्थ यह नहीं कि पूरा युवा वर्ग कांग्रेस के साथ खड़ा हो गया। प्राप्त कांग्रेस के सामने असली चुनौती कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मुद्दे उठाने की नहीं, बल्कि उन मुद्दों को विश्वसनीय राजनीतिक कार्यक्रम में बदलने की होगी। पेपर लीक पर सवाल उठाना आसान है। लेकिन सत्ता में आने पर परीक्षा व्यवस्था को कैसे बदला जाएगा? भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की क्या व्यवस्था होगी? सरकारी नौकरियों की संख्या कैसे बढ़ेगी? निजी शिक्षा की बढ़ती लागत को कैसे नियंत्रित किया जाएगा? प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों पर आर्थिक बोझ कैसे घटेगा? यही कारण है कि छात्रों की गूंजइ का अगला चरण केवल भाषणों का विस्तार नहीं, बल्कि नीतिगत प्रस्तावों का विस्तार होना चाहिए। यदि कांग्रेस केवल सरकार विरोधी नारों तक सीमित रहती है तो अभियान की राजनीतिक सीमा भी वहीं तक रह जाएगी। यदि वह छात्रों के मुद्दों पर ठोस नीतिगत विकल्प सामने रखती है तो संवाद का दायरा बढ़ सकता है।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच जाकर संवाद बनाया। छात्रों की गूंजइ में वह एक विशिष्ट वर्ग के बीच लगातार जा रहे हैं। अंतर यह है कि भारत जोड़ो यात्रा का संदेश व्यापक था, जबकि छात्रों की गूंज का संदेश मुद्दा-केंद्रित है। इसे कांग्रेस के लिए संगठनात्मक प्रयोग भी माना जा सकता है। उत्तराखंड में कांग्रेस नेताओं ने इस अभियान को युवाओं के साथ पार्टी के पुनसम्पर्क और संगठन को सक्रिय करने के अवसर के रूप में देखा। हरियाणा में भी युवा कांग्रेस ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक 40 दिन के अभियान की योजना बनाई। इसका मतलब है कि राहुल गांधी का कार्यक्रम ऊपर से नीचे तक संगठन में फैलाया जा रहा है।

कांग्रेस के लिए यह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि छात्र और युवा लंबे समय में किसी भी राजनीतिक दल के लिए महत्वपूर्ण मतदाता समूह बन सकते हैं। आज का कॉलेज छात्र आने वाले चुनावों का मतदाता है और उसके राजनीतिक विचार समय के साथ उसके परिवार तथा सामाजिक दायरे को भी प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन राजनीति में किसी अभियान की सफलता का अंतिम पैमाना उसकी चुनावी परिणति होती है। इसलिए छात्रों की गूंजइ को सफल या असफल घोषित करने से पहले यह देखना होगा कि क्या छात्रों की राजनीतिक प्राथमिकताएं बदलती हैं, क्या कांग्रेस के प्रति उनका भरोसा बढ़ता है और क्या यह भरोसा मतदान व्यवहार में दिखाई देता है। भारत जोड़ो यात्राइ के बाद छात्रों की गूंजइ को कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा सकता है। पहली यात्रा में कांग्रेस ने व्यापक समाज से संवाद की कोशिश की थी, अब वह एक ऐसे वर्ग के बीच लगातार पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है जिसके सामने शिक्षा, परीक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं।

हिन्दी संवाद की भाषा, विवाद की नहीं

सुरेश हिंदुस्तानी

देश में भाषा के नाम पर उत्तर और दक्षिण के राज्यों में भेद पैदा करने का दुस्साहस लम्बे समय से चल रहा है। इसमें तथ्यात्मक पहलू यह है कि ऐसा खेल राजनीति के संरक्षण में होता है। दक्षिण के राज्यों में हिन्दी के प्रति जिस प्रकार से अलगाव के बीज बोने की कवायद की जाती है, उसे प्रथम दृष्टि में एक दूसरे को लड़ाने की योजना का हिस्सा ही मानना चाहिए, क्योंकि सांस्कृतिक दृष्टि से पूरा भारत एक है। इस संस्कृति को बनाने में भारतीय भाषाओं का योगदान भी प्रमुख है। भारत की सभी भाषाएं हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा हैं। चाहे वह बड़े भूभाग में बोले जाने वाली हो या फिर किसी राज्य की भाषा ही क्यों न हो। सब महत्वपूर्ण हैं।

अभी हाल ही में हिंदी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को सीधे शब्दों में कहा है कि हिंदी के प्रति सोच को बदलना चाहिए। इसके निहितार्थ यही हैं कि हिन्दी देश के बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है। इसलिए दक्षिण के राज्यों में इसके प्रति सकारात्मक भाव होना चाहिए। वैसे भी आम जनमानस में यह भाव दिखाई भी देता है।

भारत की पहचान उसकी भाषायी विविधता में है। यहां भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जीवनानुभव, संस्कृति और संवेदना की वाहक है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल तक बदलती बोलियां और भाषाएं भारत की आत्मा को अनेक स्वरों में व्यक्त करती हैं। यही बहुस्वरता हमारी विशिष्टता है। इसलिए किसी एक भारतीय भाषा का विस्तार दूसरी भाषा के लिए संकुचन नहीं, बल्कि पूरे भारतीय भाषायी संसार का विस्तार है। हिन्दी इसी व्यापक भाषायी परिवार की एक सशक्त कड़ी है। उसका स्वभाव संवाद का है। वह जहां पहुंचती है, वहां केवल शब्द नहीं ले जाती, लोगों से जुड़ने का एक सहज माध्यम भी बनाती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग जब अपनी-अपनी मातृभाषाओं के साथ हिन्दी के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तो उनके बीच दूरी घटती है और परिचय बढ़ता है। एकात्म भाव का जागरण होता है।

हिन्दी की व्यापकता का आधार केवल उसका भाषायी भूगोल नहीं है। रोजगार, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन, सिनेमा, साहित्य और संचार के अनेक माध्यमों ने उसे देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया है। दक्षिण भारत में भी हिन्दी समझने और बोलने वाले लोगों की संख्या कम नहीं है। वहां हिन्दी के अध्ययन और अध्यापन के लिए वर्षों से संस्थाएं सक्रिय रही हैं। अनेक विद्यार्थी हिन्दी सीखते हैं, साहित्य पढ़ते हैं और देश के दूसरे हिस्सों के लोगों से संवाद में उसका उपयोग करते हैं। यह अपनी भाषा में जड़ें मजबूत रखते हुए दूसरी भारतीय भाषाओं से परिचित होना दृष्टि को विस्तृत करता है। एक भाषा हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है, दूसरी हमें दूसरे प्रदेश की मिट्टी की गंध समझने का अवसर देती है। अनेक भाषाओं का ज्ञान अनेक संसारों से परिचय है। भारत में हिन्दी के प्रति आत्मीयता रखने वाले समाजों ने कभी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी या असमिया जैसी भाषाओं के अस्तित्व को चुनौती नहीं माना। दक्षिण की भाषाएं उत्तर के लिए उतनी ही अपनी हैं, जितनी उत्तर की भाषाएं दक्षिण के लिए। तुलसी, कबीर और प्रेमचंद को पढ़ने वाला पाठक जब सुब्रमण्यम भारती, तिरुवल्लुवर या कुवेम्पु की रचनाओं तक पहुंचता है, तो वह भारत को थोड़ा और गहराई से जानता है। इसीलिए भाषा को अवसर की तरह देखना आवश्यक है। किसी बच्चे को हिन्दी सीखने का अवसर मिलता है तो उसके सामने देश के एक बड़े भूभाग, व्यापक साहित्य और असंख्य लोगों से जुड़ने का एक और द्वार खुलता है। इसी प्रकार हिन्दीभाषी समाज जब तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम के शब्द सीखता है, तो भारत की सांस्कृतिक समृद्धि उसके लिए और विस्तृत हो जाती है।

हम यह भली भांति जानते हैं कि भारत के दक्षिणी राज्यों में कई बार हिन्दी के कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुए हैं। शिक्षा संस्थानों में भी हिन्दी के प्रति अनुराग बढ़ता जा रहा है। लेकिन इसका तात्पर्य यह कतई नहीं है कि अन्य भाषाओं के उपेक्षा का भाव है। राजनीतिक दल इसे हिन्दी थोपने के रूप में प्रचारित करके जनता को केवल भ्रमित करने का काम करते हैं। शिक्षा संस्थानों में बच्चों के सामने जितनी अधिक भाषाओं और ज्ञान के द्वार खुलेंगे, उनका संसार उतना ही विस्तृत होगा। इस सकारात्मक अभियान को जब मजबूत दिशा मिलेगी, तो स्वाभाविक रूप से भारत का शक्तिशाली स्वरूप सामने आएगा। हिन्दी को लेकर भी यही दृष्टि होनी चाहिए।

भारत की भाषाएं एक ही सांस्कृतिक चेतना की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। एक भाषा का समृद्ध होना दूसरी भाषा के लिए खतरा नहीं, अनेक भाषाओं का साथ-साथ समृद्ध होना भारत की सामूहिक शक्ति है। आज जब संचार के साधनों ने देश को पहले से कहीं अधिक निकट ला दिया है, तब भाषा की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। देश के एक कोने में बैठा व्यक्ति दूसरे कोने में रहने वाले व्यक्ति से सहज संवाद कर सके, उसके विचार समझ सके, उसकी संस्कृति को जान सके, यही भाषायी समृद्धि का वास्तविक उद्देश्य है। हिन्दी इस संवाद में एक सेतु की भूमिका निभा सकती है, लेकिन उस सेतु की सुंदरता तभी है जब उसके दोनों ओर भारत की अपनी विविध भाषाएं सुरक्षित, सम्मानित और जीवंत रहें।

भारत को एक-दूसरे को समझने की संस्कृति की आवश्यकता है। हमारी भाषायी विविधता उस संस्कृति की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। हिन्दी उस विविधता में अपना स्वर जोड़ती है और दूसरी भारतीय भाषाएं उसके स्वर को और समृद्ध करती हैं। इसलिए हिन्दी को लेकर दृष्टि संवाद की होनी चाहिए, विवाद की नहीं। हिन्दी जितनी अधिक भारतीय भाषाओं से जुड़ेगी, उतनी ही अधिक भारतीय बनेगी। और भारत जितनी भाषाओं में स्वयं को अभिव्यक्त करेगा, उसकी आत्मा उतनी ही समृद्ध सुनाई देगी। हिन्दी संवाद की भाषा है और भारत की विविध भाषाएं उस संवाद का विस्तार हैं। यही विविधता भारत की शक्ति है, यही उसकी पहचान और यही उसकी सांस्कृतिक सुंदरता है।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

ललित गर्ग

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-'शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निमार्ताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच

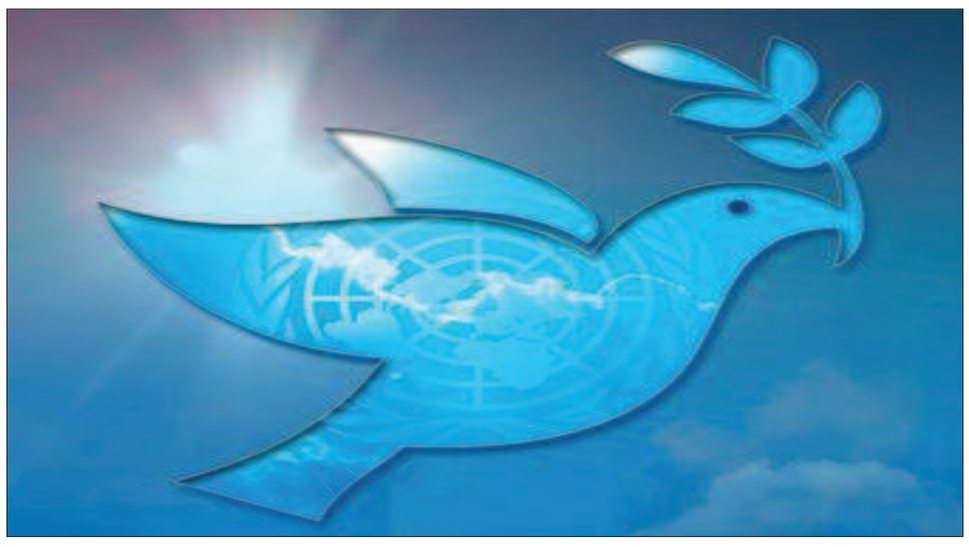

शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा। सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है।

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

कोतवाली लैंसडाउन पहुंचे एडीजी, अपराध नियंत्रण और जनविश्वास सुदृढ करने पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: अपर पुलिस महानिदेशक डॉ वी मुरुगेशन ने रविवार को कोतवाली लैंसडाउन का निरीक्षण कर कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, अभिलेखों के रख-रखाव और नागरिक सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पुलिसिंग में व्यावसायिक दक्षता, जवाबदेही, पारदर्शिता और संवेदनशीलता को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने थाना परिसर के अलावा कार्यालय, मालखाना, हवालात, महिला हेल्प डेस्क और सीसीटीएनएस कक्ष सहित विभिन्न शाखाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने आगंतुक रजिस्टर, अपराध पंजिका समेत अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और रिकॉर्ड प्रबंधन को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही सरकारी संपत्ति के संरक्षण, थाना परिसर की स्वच्छता और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की समीक्षा

लैंसडौन कोतवाली का निरीक्षण अपर पुलिस महानिदेशक डॉ वी मुरुगेशन

करते हुए डॉ. मुरुगेशन ने वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने तथा लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जनशिकायतों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने और शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए। नशा तस्करी और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए उन्होंने बीट पुलिसिंग, नियमित गश्त और सर्विलांस व्यवस्था को और मजबूत करने पर बल दिया। वहीं साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती को देखते हुए पुलिसकर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने और आमजन को साइबर ठगी से बचाव के प्रति लगातार जागरूक करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर भी एडीजी ने विशेष संवेदनशीलता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने महिला संबंधी शिकायतों पर त्वरित और विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डॉ. मुरुगेशन ने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग का उद्देश्य केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करना और पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत करना भी है। इसके लिए पुलिस और आमजन के बीच बेहतर संवाद एवं सकारात्मक समन्वय आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना स्तर पर जवाबदेह, पारदर्शी और जनोन्मुखी पुलिसिंग को और मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और पेशेवर दक्षता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए।

निशुल्क त्वचा जांच शिविर में 200 से अधिक लोगों ने कराई जांच

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: आश्रय स्किन क्लीनिक की ओर से आयोजित निशुल्क त्वचा जांच शिविर में 200 से अधिक लोगों ने अपनी त्वचा की जांच कराई। शिविर में चिकित्सकों ने मरीजों को त्वचा रोगों से बचाव के साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता और त्वचा की नियमित देखभाल के प्रति जागरूक किया।

डॉ. अर्णव मित्तल के निर्देशन में आयोजित शिविर में एलर्जी, फंगल संक्रमण, खुजली, मुंहासे समेत विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों की जांच की गई। चिकित्सकों ने मरीजों को त्वचा रोगों के कारण, बचाव के उपाय और उचित देखभाल की जानकारी दी। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध कराई गईं। डॉ. अर्णव मित्तल ने कहा कि वर्षा ऋतु में वातावरण में नमी और उमस बढ़ने से त्वचा संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को त्वचा की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने पर्याप्त पानी पीने, गीले कपड़ों में अधिक समय तक न रहने और त्वचा संबंधी समस्या होने पर उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने से त्वचा रोगों को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

शिविर में डॉ. तरुण मित्तल ने भी मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने संतुलित खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के सफल आयोजन में फार्मासिस्ट संदीप कपूर, पीआरओ अश्वनी बालियान, तन्नू, भूमि, वर्षा और निकिता ने सहयोग किया।

एलिवेटेड मार्ग निर्माण की मांग को लेकर 258 वें दिन भी आंदोलन

मार्ग निर्माण को लेकर आंदोलन करते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड मार्ग बनाने की मांग को लेकर आंदोलन 258वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने सरकार और जनप्रतिनिधियों से मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे वन्यजीवों के संरक्षण के साथ ही क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। आंदोलनकारी उम्मेद भंडारी ने कहा कि देश और उत्तराखंड के कई वन क्षेत्रों में एलिवेटेड मार्ग बनाए जा रहे हैं। ऐसे में लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग को भी एलिवेटेड बनाने की दिशा में ठोस पहल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे वन्यजीवों की आवाजाही प्रभावित हुए बिना लोगों को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराया जा सकता है। मधुसूदन नेगी ने कहा कि मार्ग पर सूर्यास्त से सूर्योदय तक आमजन के आवागमन पर रोक और 24 घंटे मालवाहक वाहनों का संचालन बंद होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। गोवर्धन काला ने कहा कि एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए वन भूमि लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित की जानी चाहिए। इससे वन्यजीव संरक्षण के साथ लोगों को भी बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर गणेश रावत, राजेश बूडाकोटी, सुभाष त्यागी, मदन सिंह बिष्ट, मोहन जोशी, कल्पना जोशी, प्रेमा आदि मौजूद रहे।

दिनदहाड़े गोशाला में घुसा गुलदार, बछड़े को बनाया निवाला

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी। विकासखंड कल्जीखाल के डांगी गांव में रविवार को दिनदहाड़े गुलदार के गोशाला में घुसने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। गुलदार ने गोशाला में बंधे गाय के बछड़े पर हमला कर उसे निवाला बना लिया। ग्रामीण सावित्री देवी के अनुसार घटना रविवार दोपहर करीब तीन बजे की है। उन्होंने बताया कि बछड़ा गोशाला में बंधा हुआ था। इसी दौरान गुलदार अचानक गोशाला में घुस आया और बछड़े पर हमला कर दिया। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा गुलदार की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी गांव के आसपास वन विभाग की निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता जताई है।

गांधी चौक में लगा भंडारा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार/लैंसडौन: पर्यटन नगरी लैंसडाउन के प्रसिद्ध गांधी चौक में आयोजित पांच दिवसीय सिद्धि विनायक गणपति महोत्सव का समापन भव्य भंडारे के साथ हुआ। महोत्सव के अंतिम दिन आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान पूरे गांधी चौक में धार्मिक एवं उत्सव का माहौल बना रहा।

लैंसडौन में आयोजित भंडारे की लाइन में लगे श्रद्धालु

भंडारे में क्षेत्रीय विधायक ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया और आयोजन में पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन सामाजिक समरसता के साथ ही क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न व्यंजनों से युक्त प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से गांधी चौक गूंजता रहा। आयोजन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। महोत्सव के सफल आयोजन में अभय उदय परिवार का विशेष सहयोग रहा। संस्था की संस्थापिका भावना वर्मा ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को जीवंत बनाए रखना है। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

रोपित पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: गुरु गोरखनाथ पर्यावरणीय संरक्षण एवं संवर्धन समिति ने पूर्व में रोपे गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया है। समिति की ओर से जल्द ही पौधों की निराई-गुड़ाई का कार्य शुरू किया जाएगा। साथ ही गर्मी के मौसम में पौधों को सुरक्षित रखने के लिए भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। समिति के संबंध में जानकारी देते हुए पूर्व वन क्षेत्राधिकारी राजेंद्र प्रसाद पंत ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करना समिति का मुख्य उद्देश्य है। इसी उद्देश्य को लेकर लगातार पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। समिति अब तक विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों पौधे रोपित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि अब रोपे गए पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए पौधों के आसपास निराई-गुड़ाई के साथ ही गर्मी के मौसम में उन्हें सूखने से बचाने के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने पौधों के नियमित संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समिति के एसएन पोखरियाल और विनय सिंह रावत का जन्मदिन भी मनाया गया। समिति के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

हाईवे पर बह रहा पाइप लाइन का पानी

बड़कोट। नगर पालिका क्षेत्र के मेन बाजार में डायट गेट के समीप पाइप लाइन लीकेज से पिछले कई दिनों से लगातार पानी यमुनोत्री हाईवे पर बह रहा है। सड़क पर पानी जमा होने से राहगीरों और स्कूली बच्चों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वाहनों के गुजरने पर सड़क पर जमा पानी के छींटे राहगीरों पर पड़ रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग अब तक लीकेज को दुरुस्त नहीं कर पाया है।डायट गेट के पास हाईवे पर लगातार बह रहे पानी से जलभराव की स्थिति बनी हुई है। मार्ग से रोजाना लोगों के अलावा बड़ी संख्या में यात्री और पर्यटक भी आवाजाही करते हैं। स्कूली बच्चों और पैदल राहगीरों को सड़क किनारे जमा पानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। वहीं लगातार पानी बहने से सड़क और आसपास की सरकारी परिसंपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका बनी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइप लाइन लीकेज कई दिनों से है लेकिन इसकी मरम्मत को लेकर अब तक गंभीरता नहीं दिखाई गई। खास बात यह है कि मार्ग से प्रशासनिक अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी नियमित रूप से गुजरते हैं। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

भोजन माताओं ने मानदेय के लिए दी आंदोलन की चेतावनी

उत्तरकाशी। सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली भोजन माताओं ने अब मानदेय बढ़ाने की मांग तेज कर दी है। रविवार को काली कमली धर्मशाला में हुई बैठक में भोजन माताओं ने न्यूनतम मानदेय 15 से लेकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग उठाई।भोजन माता संगठन की जिलाध्यक्ष ज्ञानदेई चौहान ने कहा कि भोजन माताएं स्कूलों में भोजन तैयार करने, वितरण और उससे जुड़े अन्य कार्यों की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय महंगाई के अनुपात में काफी कम है।बैठक में पांच सूत्रीय मांगों पर चर्चा हुई। इनमें 12 माह का मानदेय, 15 से 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय, आकस्मिक अवकाश, सेवा के दौरान भोजन माताओं को पद से न हटाने और 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन की मांग शामिल है।

राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहें सैनिक: डोभाल

एनएसए अजीत कुमार डोभाल का गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र में दो दिवसीय दौरा संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: लैंसडौन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत कुमार डोभाल ने सैनिकों के अनुशासन, समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और उच्च व्यावसायिक दक्षता की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्रसेवा के प्रति अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गढ़वाल राइफल्स की गौरवशाली सैन्य परंपराओं, मूल्यों और आदर्शों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए सभी को समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत कुमार डोभाल का 19 और 20 सितंबर को गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र, लैंसडाउन का दो दिवसीय दौरा रविवार को संपन्न हुआ। दौरे का उद्देश्य गढ़वाल राइफल्स की गौरवशाली सैन्य परंपराओं का अवलोकन करने के साथ सैनिकों का मनोबल बढ़ाना, प्रशिक्षण एवं कल्याणकारी गतिविधियों की समीक्षा करना तथा पूर्व सैनिकों से संवाद करना रहा। 19 सितंबर को रेजिमेंटल केंद्र पहुंचने पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ एवं गढ़वाल राइफल्स तथा गढ़वाल स्काउट्स के मानद कर्नल जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, गढ़वाल राइफल्स एवं गढ़वाल स्काउट्स के कर्नल ऑफ द रेजिमेंट लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, पीएचडी तथा केंद्र के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल सहित अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने एनएसए का

लैंसडौन में निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते एनएसए अजीत कुमार डोभाल

स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और कर्नल ऑफ द रेजिमेंट ने युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद डोभाल ने अधिकारियों, कनिष्ठ कमीशन प्राप्त अधिकारियों, सैनिकों और अग्निवीरों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण, कार्यप्रणाली तथा कल्याण से जुड़े विषयों की जानकारी ली। दौरे के दौरान उन्होंने गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र की प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, शौर्य स्थल, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और विभिन्न सैन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सैनिकों के प्रशिक्षण स्तर की सराहना करते हुए कहा कि गढ़वाल राइफल्स की गौरवशाली सैन्य परंपराएं भारतीय सेना की उत्कृष्ट सैन्य संस्कृति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का सशक्त उदाहरण हैं।

शौर्य स्थल पर किया पौधारोपण

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने रेजिमेंटल केंद्र परिसर और स्थानीय सैन्य प्रतिष्ठानों का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ एवं कर्नल ऑफ द रेजिमेंट के साथ शौर्य स्थल पर पौधारोपण किया। यह पौधारोपण राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों की स्मृति और उनके अदम्य साहस को समर्पित रहा। कार्यक्रम के दौरान गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र की ओर से चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, कर्नल ऑफ द रेजिमेंट और पूर्व सैनिकों ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत कुमार डोभाल को स्मृति-चिह्न एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया।

सीएमओ ने दुगड्डा, डाडामंडी और यमकेश्वर के अस्पतालों का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मेघना असवाल ने दुगड्डा, डाडामंडी और यमकेश्वर क्षेत्र के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मरीजों से भी स्वास्थ्य केंद्रों में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण की शुरुआत दुगड्डा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से हुई। यहां सीएमओ ने नए भवन के निर्माण कार्य का कार्यदायी संस्था ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने पीएचसी डाडामंडी, पीएचसी पौखाल, पीएचसी भृगुखाल, सीएचसी यमकेश्वर, पीएचसी लक्ष्मणझूला के साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर कस्याली, ठांगर, बड़ेथ और पौखाल का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, आपातकालीन सेवाओं, प्रसव सेवाओं और औषधियों की उपलब्धता व रख-रखाव की जानकारी ली। सीएमओ ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसर, वार्ड, प्रसव कक्ष समेत सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं को प्रभावी और सुचारु बनाए रखने तथा जरूरतमंद मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने प्रसव केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और प्रसव सेवाओं का व्यवस्थित संचालन करने के निर्देश दिए। औषधि भंडार के निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवाओं के उचित रख-रखाव और उपलब्धता की समीक्षा की। डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर और अन्य मौसमी बीमारियों को देखते हुए आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश भी दिए।

बड़ेथी की समस्याओं पर सभासद भूख हड़ताल पर बैठेंगे

चिन्यालीसौड़। नगर पालिका के वार्ड संख्या सात बड़ेथी की मूलभूत समस्याओं को लेकर सभासद मनवीर सोमवार से पालिका परिसर में भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने जिलाधिकारी और तहसीलदार को पत्र भेजकर समस्याओं के समाधान के साथ नगर पालिका प्रशासन की जवाबदेही तय करने की मांग की है।सभासद के अनुसार वार्ड में लंबे समय से पथ प्रकाश, सफाई और झाड़ी कटान की समस्या बनी हुई है। कई स्थानों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने और झाड़ियों के बढ़ने से लोगों को परेशानी हो रही है।

रामलीला कमेटी का गठन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: कोटद्वार में मर्यादा श्री रामलीला कमेटी का गठन किया गया, जिसमें सुनील रावत को अध्यक्ष व साधना अग्रवाल को सचिव बनाया गया। तय किया गया कि रामलीला का मंचन 23 सितंबर से नजीबाबाद रोड स्थित एक बारातघर में दोपहर तीन बजे से शुरू की जाएगी।वरिष्ठ व अनुभवी कलाकार पंकज अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दिनेश शर्मा को कोषाध्यक्ष, प्रेम प्रजापति व सौरभ मिश्रा को मीडिया प्रभारी, जयप्रकाश केष्टवाल, जगदीश फुलारा, कमल आर्य को स्टेज डायरेक्टर, राधेश्याम शर्मा व संदीप वर्मा को मंच संचालक की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा धर्मवीर गुंसाई, विकास मित्तल, नीरज गुप्ता, विजय अग्रवाल, विश्वास अग्रवाल, ज्योति चौधरी, दीपक भट्ट, दिनेश तड़ियाल, कुसुम मोंगिया, विपिन डोबरियाल, अर्चना शर्मा, संगीता रावत, गौरव जखमोला, गणेश डबराल, हीरा भंडारी, सुरेश अग्रवाल, आयुष पंत, नितिन अग्रवाल, दीपक कपटियाल, वीरेंद्र, गार्गी, संजीव गर्ग, अरविंद वर्मा, कृष्ण मोहन सती, विशाल कुमार, अनिल नेगी, अंशु मोंगिया, पंकज अग्रवाल, अनिल नेगी, संजय शर्मा, अमित अग्रवाल, अमित थपलियाल, जितेंद्र बेबनी, जीवन जैन, राकेश अग्रवाल, रवि गौड़, दीपक कुमार, आरेश कुमार, राजू छाबड़ा, श्रीश कुमार, संजय गौड़, आयुष अग्रवाल, विशाल सैनी, अनिल खंतवाल, नीतीश गुप्ता, दिनेश बौंठियाल, वरुण कश्यप, जितेंद्र रावत को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया।

50 लोगों ने थामा कांग्रेस का हाथ, कई भाजपाई भी हुए शामिल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी। कल्जीखाल ब्लॉक के घंडियाल में रविवार को आयोजित कांग्रेस के कार्यकर्ता मिलन समारोह में करीब 50 लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। आयोजकों के अनुसार, इनमें कई भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल रहे। नव निर्वाचित ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजय पटवाल की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठन को मजबूत करने और एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बदरीनाथ विधायक लखपत सिंह बुटोला ने कहा कि पार्टी हाईकमान जिस भी प्रत्याशी को टिकट देगा, सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर उसके लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि गढ़वाल क्षेत्र की समस्याओं को वह विधानसभा में प्रमुखता से

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते कार्यकर्ता व पदाधिकारी

उठाते रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। सम्मेलन में विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी कर रहे कांग्रेस नेताओं ने भी कहा कि पार्टी हाईकमान जिसे प्रत्याशी घोषित करेगा, सभी उसके समर्थन में एकजुट होकर काम करेंगे। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, विधानसभा क्षेत्र से दावेदार एवं कांग्रेस नेता सुंदर लाल मुयाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनील लिंगवाल, विनोद धनोसी, अरुण कुमार, प्रमोद मंद्रवाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय डबराल, यशोदा नेगी, ब्लॉक अध्यक्ष रेखा नेगी, अनिल कुमार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रघुनाथ सिंह, भास्कर बहुगुणा, पूर्व छात्र नेता आस्कर रावत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जड़भरत घाट के कमरे में लगा ताला

उत्तरकाशी। जड़भरत घाट पर महिलाओं के वस्त्र बदलने और धार्मिक आयोजनों के लिए नगर पालिका की ओर से वर्षों पहले बनाए गए कमरे पर ताला लगा होने से ब्राह्मण समाज और स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई। स्थानीय लोगों का कहना है कि महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर सुविधा के लिए बनाया गया कमरा बंद होने से श्रद्धालुओं और कर्मकांड कराने वालों को परेशानी उठानी पड़ रही है। जड़भरत घाट पर पीपल का पेड़ होने के कारण बडागड्डी क्षेत्र समेत आसपास के विभिन्न गांवों से लोग पितृ पूजन के लिए पहुंचते हैं। यहां 11वीं और 13वीं के धार्मिक कर्मकांड भी किए जाते हैं।

भारतीय धरोहर ने प्रो. राजपूत, प्रो. पंकज और प्रो. धीमान को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। दिल्ली: भारतीय ज्ञान, विज्ञान और आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सक्रिय संस्था भारतीय धरोहर का वार्षिक सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विज्ञान, इतिहास, साहित्य और आयुर्वेद के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली तीन विभूतियों को सम्मानित किया। वर्ष 2026 के भारतीय धरोहर सम्मान से प्रोफेसर बलवंत सिंह राजपूत, प्रोफेसर रामेश्वर मिश्र पंकज और प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान को सम्मानित किया गया। प्रत्येक सम्मानित व्यक्तित्व को एक लाख रुपये की सम्मान राशि, प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिह्न और शाल भेंट की गई। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारतीय धरोहर के आयोजन को विशिष्ट और महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि संस्था देश की विशिष्ट धरोहरों और ज्ञान परंपरा से जुड़े व्यक्तित्वों को सम्मान देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सम्मानित तीनों विभूतियों ने देश को बहुत कुछ दिया है। उनके योगदान ने भारत की ज्ञान परंपरा को अमिट बनाया और भारतीय तत्व को अमरत्व प्रदान किया है। प्रोफेसर बलवंत सिंह राजपूत को विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के साधक के रूप में उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। अस्वस्थता के कारण वह समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। उनकी ओर से

उनके सुपुत्र मनु राजपूत ने सम्मान ग्रहण किया।वहीं प्रोफेसर रामेश्वर मिश्र पंकज को इतिहास एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए तथा प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान को आयुर्वेद के आधुनिक प्रहरी के रूप में सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता आईजीएमसी के चेयरमैन एवं वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय धरोहर समाज को जोड़ने और सम्मान की भावना को बनाए रखने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि टूटते परिवारों और छोटी–छोटी बातों पर बढ़ती हिंसा के दौर में समाज को जोड़ना और बचाना आवश्यक है। भारतीय धरोहर इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने संस्था को भारत की ज्ञान यात्रा का प्रतिनिधि बताया। प्रोफेसर रामेश्वर मिश्र पंकज के भारतीय ज्ञान परंपरा और भारत की ज्ञान यात्रा में योगदान का उल्लेख करते हुए रामबहादुर राय ने कहा कि उनका अध्ययन व्यापक है और इसी कारण वे प्रमाणिकता के साथ कार्य करते हैं। पूर्व लोकसभा सदस्य राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को आत्महीनता की भावना से बाहर निकालने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय धरोहर जिस विचार को धरातल पर उतारकर निरंतर कार्य कर रही है, वह सभी के लिए प्रेरणादायक है। समारोह में रमेश कपूर, प्रवीण शर्मा, सुधीर गुप्ता, संजीव गोयल, अरुण गोयल, विजय शंकर तिवारी, मोहन लाल शुक्ला, राजकुमार अग्रवाल, प्रोफेसर जे.एस. चौहान, प्रोफेसर प्रदीप कुमार वेदवाल, डॉ. रोशन गौड़, प्रोफेसर डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ. बी.एम. भट्ट, विनोद कबटियाल, कुसुम कंडवाल भट्ट, राजेश डंडरियाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गड्ढों और मलबे से संकरी हुई छह गांवों की सड़क

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के छह राजस्व गांवों को यातायात सुविधा से जोड़ने वाली रमोल गांव–कस्तल सड़क सुविधा के बजाय ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनी हुई है। नौ किमी लंबी इस सड़क का 14 साल बाद भी डामरीकरण नहीं हो पाया है। सड़क पर हर दो कदम पर गड्ढे बने हुए है। नालियां क्षतिग्रस्त है और सुरक्षा दीवारें टूटी हुई है। लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

रमोल गांव, नौगांव, कस्तल, लावणी, मजकोट व सेनसारी गांवों को जोड़ने वाली इस सड़क से करीब छह हजार की आबादी जुड़ी है। वर्ष 2012 में सड़क बनने के बाद डामरीकरण नहीं हुआ। बारिश से सड़क किनारे जगह–जगह मलबा गिरने से मार्ग संकरा बना हुआ है। जिससे वाहन चालकों को आवागमन करने में दिक्कतें आ रही है।

कस्तल के प्रधान सुंदरलाल भट्ट ने कहा कि 14 साल बाद भी सड़क का डामरीकरण नहीं हो पाया है। जगह–जगह सुरक्षा दीवारें टूट चुकी हैं और पानी की निकासी के लिए नालियां भी नहीं हैं। नौगांव की प्रधान अशरफी चौहान ने बताया कि छह किमी सड़क लोनिवि चंबा और तीन किमी पीएमजीएसवाई के अधीन है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि बरसात में पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। डामरीकरण और मरम्मत के लिए कई बार प्रस्ताव भेजे गए। बीडीसी बैठक में भी समस्या उठाई गई, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोगों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर होना पड़ा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कदली वृक्ष के आगमन पर निकली शोभायात्रा

चंपावत जिला मुख्यालय के प्राचीन बालेश्वर मंदिर में मां नंदा–सुनंदा महोत्सव का आयोजन जारी है। शनिवार सुबह कदली वृक्ष के आगमन के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान देव डांगरों ने अवतरित होकर भक्तों को आशीर्वाद दिया।कदली वृक्ष को बालेश्वर मंदिर परिसर में लाने के बाद उससे मां नंदा–सुनंदा की मूर्तियों का निर्माण कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। नंदाष्टमी और राधाष्टमी पर्व के अवसर पर पूरे दिन मंदिर में वैदिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। कदली वृक्ष आगमन के अवसर पर मंदिर में पुरोहित पंडित दीपक कुलेठा के मंत्रोच्चारण के बीच मुख्य यजमान नारायण दत्त गड़कोटी, निर्मल पुनेठा और प्रकाश चौधरी के हाथों श्रीगणेश पूजन, वास्तु पूजन, नवग्रह पूजन और मां नंदा–सुनंदा की प्राण प्रतिष्ठा समेत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। पूर्व महोत्सव समिति अध्यक्ष बहादुर फर्त्याल, महोत्सव समिति उपाध्यक्ष विकास साह, केएमवीएन निदेशक रोहित बिष्ट, व्यापारी मयूख चौधरी, हेमंत वर्मा, नरेश जोशी और नितिन साह आदि मौजूद रहे। इधर दोपहर को मंदिर परिसर में महोत्सव के दौरान सुलेख और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया।

मनसूना न्याय पंचायत ऑलओवर चैंपियन

ऊखीमठ। केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र की विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी खेल महाकुंभ का पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुआ। न्याय पंचायत मनसूना ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर ऑलओवर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि के साथ विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की गई। राइंका के खेल मैदान में आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र की 12 न्याय पंचायतों से चयनित प्रतिभागियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया। इस दौरान हुई अंडर–19 बालिका वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में अगस्त्यमुनि की तनवी प्रथम रहीं। 1500 मीटर में अगस्त्यमुनि की निकिता और 800 मीटर में मनसूना की स्वीटी ने पहला स्थान पाया। गोला फेंक में परकंडी की स्नेहा और भाला फेंक में मनसूना की साक्षी प्रथम रहीं। अंडर–19 बालक कबड्डी में न्याय पंचायत चन्द्रापुरी, खो–खो में अगस्त्यमुनि और वॉलीबॉल में मयकोटी विजेता रहे। बालिका वर्ग की खो–खो और पिट्ठू प्रतियोगिता में न्याय पंचायत मनसूना ने जीत हासिल की। अंडर–14 बालक वॉलीबॉल और पिट्ठू में मनसूना तथा कबड्डी में मयकोटी प्रथम रहे। इस अवसर पर ज्येष्ठ प्रमुख राकेश नेगी, प्रधान संगठन के महामंत्री मदन भट्ट, खंड विकास अधिकारी अनुष्का, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी ज्योति बिष्ट, खेल प्रशिक्षक चंद्रमोहन उखियाल, खेल समन्वयक सरोप सिंह नेगी और पंचम सिंह मौजूद रहे।

वार्ता को पहुंचे एमएस और प्रभारी, नहीं माने छात्र

श्रीनगर। स्टाइपेंड की मांग को लेकर पैरामेडिकल इंटर्न छात्रों का धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। रविवार को बेस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एएन पांडे और पैरामेडिकल के प्रभारी व कम्युनिटी मेडिसन विभाग के डॉ. सुरेंद्र सिंह आंदोलित छात्रों से वार्ता करने पहुंचे। मगर छात्र मांगों पर लिखित आश्वासन पर अड़े रहे। छात्रों ने कहा कि जब तक उन्हें लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा आंदोलन जारी रहेगा। मांग के लिए शनिवार देर शाम को आंदोलित छात्रों ने धरना स्थल बेस अस्पताल से मेडिकल कॉलेज तक रैली भी निकाली। छात्रों का कहना था कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो वह आंदोलन तेज करने को बाध्य होंगे।

सड़क के लिए धरना 37वें दिन भी जारी

चोपता। तुंगनाथ मोटर मार्ग को लेकर मोहनखाल–किनझाणी–तुंगनाथ संघर्ष समिति का आंदोलन 37वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होती धरना जारी रहेगा। रविवार को पूर्व विधायक मनोज रावत ने दूसरी बार धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय जनता की मांग पर सरकार ने चुप्पी साध रखी है। एक महीने से अधिक समय हो गया है लेकिन कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति सामने आने को तैयार नहीं है। धरना देने वालों में समिति के अध्यक्ष राकेश नेगी, सचिव वासुदेव नेगी, उपाध्यक्ष दीपक थपलियाल, सहसचिव अध्यक्ष धर्मेंद्र बिष्ट, कोषाध्यक्ष राजीव नेगी, प्रदीप, राजेश सिंह आदि शामिल रहे।

महिला जनप्रतिनिधि क्रमिक अनशन पर बैठीं

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले 40 वें दिन धरना जारी रहा। वहीं संघर्ष समिति के सदस्यों ने घनसाली क्षेत्र में जन जागरण अभियान चलाया गया।

बौराड़ी के गणेश चौक में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर को जिला पंचायत सदस्य बागी दर्शनी रावत, ग्राम प्रधान खेमड़ा रजनी गुसाईं और ममता भंडारी 20 वें दिन क्रमिक अनशन पर बैठी।

उन्होंने सरकार से शीघ्र मामले में सकारात्मक कार्यवाही की मांग उठाई है। संघर्ष समिति के सह संयोजक भगवान सिंह रावत ने बताया कि रविवार को समिति की टीम ने घनसाली विधानसभा के नंदगांव, बड़कोट, पौखाल, जगधार, पिलखी, घनसाली बाजार सहित कई गांवों में लोगों से संपर्क कर मेडिकल कॉलेज निर्माण में सहयोग की अपील की। जन जागरण यात्रा में नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, व्यापार मंडल अध्यक्ष बौराड़ी शिवराज सजवाण, आशा रावत, अनीता पैन्यूली, शगुफ्ता प्रवीन आदि मौजूद थे। कहा कि आने वाले दिनों में मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं भाजपा नेता जीतराम भट्ट का धरना स्थल पर 50 वें दिन सत्याग्रह जारी रहा।

भालुओं ने उजाड़े सेब के बाग

पुरोला। गोविंद पशु विहार पार्क की रूपिन रेंज के मसरी, भीतरी और सट्टा क्षेत्र में भालु बागवानों के लिए मुसीबत बन गए हैं। सेब की फसल तैयार होने के बीच भालू लगातार बागों में घुसकर पेड़ उखाड़ रहे हैं और टहनियां तोड़ने के साथ फलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे बागवानों की वर्षों की मेहनत पर पानी फिर रहा है।

भीतरी गांव के काश्तकार जगदीश कुंवर ने बताया कि फते पर्वत के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इन दिनों सेब की फसल तैयार है लेकिन भालुओं के झुंड बागों में घुसकर पेड़ों और फलों को बरबाद कर रहे हैं। उनका कहना है कि हर साल सेब सीजन में यही समस्या सामने आती है लेकिन अब तक बागों की सुरक्षा के लिए स्थायी घेरबाड़ नहीं हो सकी है और नुकसान का उचित मुआवजा भी नहीं मिल रहा है। जगदीश कुंवर, प्यासराम सिंह, ज्ञान सिंह चौहान और जयचंद चौहान समेत बागवानों ने बताया कि वे कई वर्षों से पार्क प्रशासन से संवेदनशील क्षेत्रों में घेरबाड़ कराने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए प्रस्ताव भी भेजे गए लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। बागवानों के अनुसार, भालुओं के साथ जंगली सूअर भी गेहूं और आलू की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

होमकुंड में हुई पूजा, चोसिंग्या खाडू को कैलाश किया विदा

देवाल। रविवार को बड़ीजात के तहत मां नंदादेवी की डोली और छंतोली हिमालय स्थित होमकुंड पहुंचीं और यहां पूजा–अर्चना हुई। इसके बाद चोसिंग्या खाडू (चार सींगों वाले मेढ़े) को कैलाश के लिए भावुक विदाई दी गई। देव डोलियां और श्रद्धालु जामुन डाली पड़ाव लौट आए हैं।

मान्यताओं के अनुसार होमकुंड में पूजा के बाद खाडू को माता के आभूषण, वस्त्र और पोटली बांधी जाती है। इसके बाद यह खाडू अकेले ही निर्जन हिमालयी चोटियों की ओर बढ़ जाता है। माना जाता है कि वह स्वयं शिव–पार्वती के धाम कैलाश जा रहा है। खाडू की विदाई के समय श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। यह दृश्य बेटी की विदाई जैसा भावुक था जिसमें पारंपरिक गीत और नंदा देवी के जयकारे गूंज उठे। 21 सितंबर को यह यात्रा अब सुतोल गांव पहुंचेगी। इसके बाद यात्रा 22 सितंबर को सुतोल से फरखेत में रात्रि प्रवास के लिए पहुंचेगी। 23 सितंबर कुरुड़ नंदादेवी मूर्ति थान में स्थापित होगी। नंदानगर के राकेश नेगी और हीरा सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से सुतोल पहुंचने की अपील की है। वहीं नंदानगर में जयकृष्ण भट्ट एवं परिवार की ओर से तीन दिनों तक भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

नंदा लोकजात पहुंची उलंग्रा गांव

देवाल। वेदनी में सप्तमी की जात संपन्न होने के बाद बधाण की डोली और नंदा लोकजात रविवार को उलंग्रा गांव पहुंची। बमणबेरा में डोली और पुजारियों का मांगलगीत व झोड़ा के साथ स्वागत किया गया। यहां आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सोमवार को डोली और लोकजात यात्रा हाटकल्याडी, इच्छोली, अठ्ठ गांव होते हुए बेराधार पहुंचेगी। यह यात्रा 25 सितंबर को सिद्धपीठ देवराडा मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद छह माह के लिए प्रवास पर रहेगी।

नाटक से पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत को मंच पर दर्शाया

चोपता। जागतोली में दशज्यूला महोत्सव के दूसरे दिन लोक संस्कृति और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम रही। स्कूली छात्र–छात्राओं के साथ लोकगायक मुकेश हटवाल की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को बांधे रखा। वहीं आचार्य कृष्णानंद नौटियाल के निर्देशन में केदारघाटी मंडाण ग्रुप की नृत्य नाटिका मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

इसमें पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत को मंच पर दर्शाया गया। रविवार को मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मनोज रावत, विशिष्ट अतिथि रुद्रप्रयाग पालिका अध्यक्ष संतोष रावत ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व विधायक ने कहा कि मेले आपसी तालमेल और क्षेत्र की एकता के लिए जरूरी हैं और मेलों के आयोजन से आपसी सौहार्द बढ़ता है। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि दशज्यूला क्षेत्र को प्रकृति संवारा है और इस क्षेत्र में तीर्थाटन, पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम में केदारघाटी मंडाण ग्रुप की नृत्य नाटिका ने पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत को मंच पर दर्शाया। महोत्सव अध्यक्ष जयवर्धन कांडपाल, महासचिव कालिका कांडपाल, राजेन्द्र काण्डपाल, वीरेन्द्र बर्त्वाल, नमिका काण्डपाल, नगर पंचायत अध्यक्ष अगस्त्यमुनि राजेन्द्र प्रसाद गोस्वामी, व्यापार संघ अध्यक्ष चोपता योगम्बर कुनियाल आदि मौजूद थे।

वरिष्ठ व्यापारियों को विधायक ने सम्मानित किया

अगस्त्यमुनि। नगर व्यापार मंडल की ओर से रविवार को सौड़ी स्थित क्रौंच हिल्स में वरिष्ठ व्यापारी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल किया। इस दौरान वरिष्ठ व्यापारियों को शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। दिवंगत व्यापारियों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया।

इस दौरान केदारनाथ विधायक ने कहा कि व्यापारियों के योगदान से नगर को स्वच्छ रखने में सफलता मिली है। उन्होंने व्यापार संघ भवन के लिए भूमि चिह्नित कर निर्माण की दिशा में कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही भवन के फर्नीचर के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि कार्यों के लिए मिला सम्मान अहम होता है। समारोह में व्यापार मंडल अध्यक्ष त्रिभुवन नेगी ने व्यापार संघ भवन निर्माण की मांग रखी। भाजपा नेता कुलदीप रावत ने कहा कि सम्मान समारोह एक सकारात्मक पहल है। बदलते दौर के साथ व्यापार के तौर–तरीकों में भी बदलाव जरूरी है। सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट ने कहा कि व्यापार में ग्राहकों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण है।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने कहा कि व्यापारी समाज में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में प्रदेश आपदा राहत कार्य संयोजक अनूप सेमवाल, जिला व्यापार मंडल महामंत्री चंद्रमोहन सेमवाल, नगर व्यापार संघ रुद्रप्रयाग अध्यक्ष लक्ष्मण बिष्ट आदि मौजूद रहे।

सांप के काटने पर न घबराएं, अस्पताल पहुंचाएं

बसुकेदार। विश्व सर्पदंश दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसुकेदार में ग्रामीणों के साथ जागरूकता गोष्ठी की गई। डॉ. शुभम बंगवाल ने ग्रामीणों को सांप के काटने से बचाव और सर्पदंश होने पर बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सांप के काटने पर घबराना नहीं चाहिए। काटे गए स्थान से मुंह के जरिये खून निकालने की कोशिश नहीं करनी चाहिए और प्रभावित हिस्से को कसकर नहीं बांधना चाहिए। सर्पदंश वाले स्थान को कम से कम हिलाने का प्रयास करें और घायल को जल्द अस्पताल पहुंचाएं। उन्होंने बताया कि कई बार सांप के काटने के लक्षण छह से आठ घंटे बाद भी दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाना जरूरी है। गोष्ठी में भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री पुष्कर दत्त, फार्मासिस्ट जगदीश चंद्र, बृजमोहन सकलानी, नीलम देवी आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर अटके बोल्डर हटाने का काम शुरू

फाटा। केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा समेत अन्य संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर लोनिवि ने मार्ग के सुधारीकरण और सुरक्षा के लिए कार्य शुरू किया है। विभाग श्रमिकों के माध्यम से पहाड़ी पर अटके बोल्डर और पत्थरों को सुरक्षित तरीके से हटा रहा है। बीते दिनों बारिश के कारण पैदल मार्ग पर कई स्थानों पर पहाड़ी से बोल्डर और मलबा गिरने के कारण आवाजाही प्रभावित हुई थी। अब बारिश के कारण संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों से बोल्डर गिरने का सिलसिला बना हुआ है। इसे देखते हुए लोनिवि ने ऐसे सभी स्थानों को चिह्नित किया है जहां बोल्डर गिरने की आशंका अधिक है। इन स्थानों पर अटके बोल्डरों को हटाने में श्रमिक जुटे हुए हैं। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता सुनील सिंह ने बताया कि पैदल मार्ग के कुछ स्थान अभी संवेदनशील बने हैं। विभाग के अधिकारियों ने चिह्नित स्थानों का निरीक्षण कर वहां आवश्यक कार्य शुरू कर दिया है। बोल्डरों को हटाया जा रहा है

11 घंटे शव रख बिजलीघर में ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मौलेखाल (अल्मोड़ा)। यूपीसीएल में कार्यरत लाइनमैन की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने सुबह करीब सात बजे शशिखाल बिजलीघर में शव रखकर धरना शुरू कर दिया। करीब 11 घंटे तक शव बिजलीघर में ही रखा रहा।

शाम करीब छह बजे अधिकारियों और ठेकेदार की ओर से आर्थिक मदद का आश्वासन दिए जाने के बाद मामला शांत हुआ। दरअसल ग्राम पंचायत मुनढ़ा निवासी बलवंत सिंह (40) पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। बताया गया कि लॉपिंग के दौरान पैर में चोट लगने के बाद उसमें इन्फेक्शन फैल गया था। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण वह इलाज नहीं करा पा रहे थे।

परिजनों का आरोप है कि बलवंत ने ठेकेदार से अपनी तनख्वाह और ईएसआई कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की लेकिन न तो उन्हें समय पर वेतन मिला और न ही ईएसआई कार्ड उपलब्ध कराया गया। बलवंत की पत्नी सुमित्रा देवी ने ग्रामीणों से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर उन्हें काशीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां रात करीब साढ़े 11 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

शादी का झांसा देकर महिला से संबंध बनाने का आरोप

सितारगंज। शादी का झांसा देकर महिला से शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में पुलिस ने यूपी निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। नगर निवासी महिला ने बताया कि आरोपी ने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसने शादी के लिए मना कर दिया।

वहीं, पूछताछ में आरोपी न्यूरिया (पीलीभीत) निवासी विशाल कुमार (26) ने बताया कि करीब एक साल पहले वह शक्तिफार्म के बरुवाबाग में काम करता था। इसी दौरान उसकी महिला से मुलाकात हुई। आरोपी ने दोनों के बीच पहले से परिचय और आपसी संबंध होने की बात भी स्वीकार की। साथ ही, दोनों के बीच विवाह को लेकर बातचीत और बाद में विवाद होने की बात भी बताई।

धामी सरकार की दूरगामी सोच-51 रोपवे के साथ 160 किमी लंबा नेटवर्क की तैयारी

धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ने की बड़ी तैयारी

देहरादून। उत्तराखण्ड को देश का रोपवे हब बनाने की बड़ी तैयारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर रोपवे परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का काम तेज कर दिया गया है। राज्य और केंद्र सरकार की साझेदारी में प्रदेश में लगभग 160 किमी लंबाई के 51 रोपवे परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। सुगम, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन कनेक्टिविटी का विकास मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का संकल्प है। इस संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश में सड़क, रेल और हवाई सेवाओ के साथ ही अब रोपवे कनेक्टिविटी को रफ्तार दी जा रही है। प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए रोपवे बेहतर वैकल्पिक परिवहन साधन है। इससे जहां धार्मिक और पर्यटन स्थलों की पहुंच आसान होगी, वहीं तीर्थाटन, पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्थाओं को आगामी 09 नवंबर तक रोपवे परियोजनाओं के कार्य धरातल पर शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सीएम के कड़े रुख को देखते हुए अब परियोजनाओं का काम रफ्तार पकड़ रहा है।

क्यों जरूरी हैं रोपवे परियोजनाएं

उत्तराखण्ड में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते वर्ष 2025 में 06 करोड़ 03 लाख से अधिक पर्यटक/तीर्थयात्री यहां पहुंचे हैं। इसको देखते हुए सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था जरूरी है। जिस प्रकार से सड़कों पर यातायात के दबाव के

साथ वाहन प्रदूषण बढ़ रहा है, उसका बेहतर विकल्प रोपवे व्यवस्था बन सकती है। दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, जहां सड़क का निर्माण नहीं किया जा सका है, उन क्षेत्रों की मुश्किलें भी रोपवे बनने से कम होंगी।

इन एजेंसियों के जिम्मे हैं रोपवे परियोजनाएं

राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल), उत्तराखण्ड मैट्रो रेल कॉरपोरेशन, शहरी स्थापना एवं भवन निर्माण निगम व पर्यटन विभाग।

प्राथमिकता में छह परियोजनाएं

सोनप्रयाग–केदारनाथ (रुद्रप्रयाग)

गोविंदघाट– हेमकुंड साहिब (चमोली)

रानीबाग–हनुमानगढ़ी–कैची धाम (नैनीताल)

कनकचौरी–कार्तिक स्वामी (रुद्रप्रयाग)

जोशीमठ–औली–गोरसों (चमोली)

रैथल–दयारा बुग्याल (उत्तरकाशी)

मसूरी रोपवे का काम प्रगति पर

देहरादून जिले में पुरुकुल गांव से लाइब्रेरी मसूरी तक लगभग 5.2 किमी लंबे रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस रोपवे के बनने से देहरादून से मसूरी तक का एक से डेढ़ घंटे का सफर 15 से 20 मिनट में पूरा हो सकेगा।

जानकी चट्टी (खरसाली)—यमुनोत्री रोपवे

इस रोपवे के बनने से श्रद्धालुओं को जानकी चट्टी से यमुनोत्री मंदिर तक की करीब पांच किलोमीटर की खड़ी पैदल चढ़ाई से राहत मिल जाएगी।

ठुलीगाड़—पूर्णागिरि रोपवे

उत्तर भारत का प्रमुख सिद्धपीठ है चंपावत जिले में स्थित पूर्णागिरि धाम। यहां भी श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस वर्ष 01 अप्रैल से 19 सितंबर तक 24 लाख 62 हजार 319 श्रद्धालु यहां पहुंच चुके हैं। यह यात्रा भी कठिन पहाड़ी मार्ग से गुजरती है। रोपवे बनने से यात्रियों को राहत मिलेगी।

फिजिबिलिटी स्टडी के लिए उत्तराखण्ड मैट्रो को हस्तांतरित रोपवे परियोजनाएं

जनपद अल्मोड़ा

रानीखेत–चौबटिया (4 किमी)।

कसारदेवी–अल्मोड़ा (2.76 किमी)।

अल्मोड़ा–द्वाराहाट दूनागिरी मोटर मार्ग 14 किमी (हनुमान मंदिर)–दूनागिरी मंदिर (.63 किमी)।

द्वाराहाट–कुकुछीना–पाण्डुखोली (1.9 किमी)।

चौखुटिया–तरगताल–कुकुछीना (1.9 किमी)।

चौघानपाटा–बेस अस्पताल (1.5 किमी)

बेस अस्पताल से नवीन कलक्ट्रेट (1.35 किमी)।

जनपद नैनीताल

नवगढ़ क्लब तल्लीताल बाजार से गंगनाथ मंदिर के नीचे (01 किमी)।

जनपद देहरादून ई एस आई डिस्पेंसरी, कैमल बैक रोड से लाल टिब्बा मसूरी (2.5 किमी)।

ई एस आई डिस्पेंसरी, कैमल बैक रोड से जॉर्ज एवरेस्ट मसूरी (4.1 किमी)।

भनोट एस्टेट, कैमल बैक रोड से कैम्पटी फॉल, मसूरी (4.4 किमी)।

मल्टी लेवल पार्किंग से चिक चॉकलेट मसूरी, (0.23 किमी)।

जॉर्ज एवरेस्ट हाउस से भद्राज मंदिर, मसूरी (7.4 किमी)।

टपकेश्वर महादेव मंदिर से गुच्चूपानी रॉबर्स केव (4.5 किमी)।

गुच्चूपानी से पैसिफिक मॉल (1.5 किमी)।

पैसिफिक मॉल से पैसिफिक गोल्फ (3.7किमी)।

पैसिफिक मॉल से पुरुकुल (4.4 किमी)।

मोहब्बेवाला में दर्दनाक ट्रक हादसा: एक की मौत, दो घायल

देहरादून। मोहब्बेवाला चौक के पास रविवार सुबह सीमेंट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराया। हादसे में ट्रक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक महिला और उसकी 18 वर्षीय बेटी घायल हो गईं। पुलिस ने मामले में ट्रक चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा 105 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, ट्रक संख्या HRY38AB0216 सहारनपुर से सीमेंट लेकर देहरादून आ रहा था। मोहब्बेवाला चौक के पास अचानक ट्रक अनियंत्रित हुआ और डिवाइडर से जा टकराया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर सर्विस और ट्रैफिक पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत–बचाव कार्य शुरू किया।

हादसे में जमील (50) पुत्र मकसूद, निवासी छुटमलपुर, सहारनपुर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कोरोनेशन अस्पताल भेज दिया।

दुर्घटना में बबलू कश्यप (45), निवासी मोहब्बेवाला, मूल निवासी बाराबंकी, उत्तर प्रदेश तथा उनकी 18 वर्षीय बेटी रोली घायल हुई हैं। दोनों को उपचार के लिए राजकीय दून अस्पताल भेजा गया है।

लगातार हादसों पर एनएच विभाग को नोटिस

मोहब्बेवाला क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं को लेकर पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभाग को पहले भी अवगत कराया जा चुका है।

किसानों को खेती का प्रशिक्षण दिया

थराली। कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालदम ने रविवार को पंचायत घर चिड़गा मल्ला में किसानों के लिए प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें किसानों को बीजामृत, जीवामृत और घन जीवामृत बनाने के तरीके बताए गए। वैज्ञानिक डॉ. डीसी काला ने रासायनिक उर्वरकों के घातक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से खेतों की मिट्टी स्वस्थ और पोषणयुक्त बनेगी। इससे शुद्ध भोजन मिलेगा। गोमूत्र, गोबर, गुड़, छाछ और नीम के पत्तों से बीज उपचार, फसल पोषण व कीटनाश-ाक बनाने की विधियां प्रशिक्षण में सिखाई गईं। कृषि विज्ञान केंद्र खेती और बागवानी की तकनीक पर भी प्रशिक्षण देता है। इस अवसर पर हेमचंद्र त्रिपाठी, भागीरथी देवी, पुष्पा देवी सहित कई किसान मौजूद थे।

जनता का प्यार, हरीश रावत की सबसे बड़ी पूंजी!

देहरादून। लंबे समय बाद दिल्ली से उत्तराखंड लौटे पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत का रविवार को प्रदेश में जगह–जगह स्वागत हुआ। रामपुर तिराहा से शुरू हुआ उनका उत्तराखंड वापसी का सफर हरिद्वार होते हुए देहरादून पहुंचा। रास्ते में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। हरीश रावत ने अपने सोशल मीडिया संदेश में इस स्वागत के लिए प्रदेशवासियों का आभार जताते हुए कहा कि पिछले करीब 60 वर्षों में उन्होंने जो सबसे बड़ी पूंजी अर्जित की है, वह जनता का प्यार और विश्वास है।

रावत के निर्धारित कार्यक्रम में रामपुर तिराहा स्थित शहीद स्मारक पर उत्तराखंड राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि, हरिद्वार में मां गंगा का पूजन और मणिमाई मंदिर में दर्शन शामिल रहे। इसके बाद वह देहरादून पहुंचे।

रामपुर तिराहा में शहीदों को किया नमन

उत्तराखंड लौटते ही हरीश रावत ने सबसे पहले रामपुर तिराहा स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर राज्य आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य के निर्माण के लिए जिन आंदोलनकारियों ने अपना

बलिदान दिया, उनके संघर्ष और सपनों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके अनुसार शहीदों के सपनों का उत्तराखंड बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। रावत ने रामपुर तिराहा को उत्तराखंड आंदोलन के संघर्ष और बलिदान की महत्वपूर्ण स्मृति से जोड़ते हुए शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

हरिद्वार में मां गंगा का पूजन

रामपुर तिराहा से आगे बढ़ते हुए हरीश रावत हरिद्वार पहुंचे। यहां उन्होंने स्वामी विवेकानंद पार्क के घाट पर मां गंगा का पूजन कर दुग्ध अर्पित किया और प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

हरिद्वार पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। रावत ने इसके लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों का स्नेह और प्यार ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

एक नजर

सिमली बेस के लिए 11 अक्तूबर से शुरू होगी पद यात्रा

कर्णप्रयाग। सिमली महिला बेस अस्पतालल को पूर्ण बेस अस्पताल का दर्जा दिए जाने की मांग के लिए समिति लोगों के साथ मिलकर सिमली से देहरादून तक पदयात्रा निकालेगी। पद यात्रा के लिए सिमली में चंडिका मंदिर में पूजा–अर्चना होगी। इसके बाद यात्रा देहरादून जाएगी। इसका शुभारंभ 11 अक्तूबर को होगा।रविवार को सिमली में बेस अस्पताल संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कहा गया बीते अगस्त माह में यहां महिला बेस का बोर्ड बदलकर बेस अस्पताल लिख दिया गया लेकिन शासनादेश आज तक जारी नहीं हुआ। स्थिति यह है कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती नहीं है। ऐसे में इस अस्पताल का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। बैठक में पूर्व प्रधान संतोषी कनवासी, राकेश नेगी, रजनी देवी, कपीरी संघर्ष समिति के अध्यक्ष खिलदेव सिंह रावत, पूर्व प्रमुख राजेंद्र सगोई, सुशील गैरोला, उत्तम तोपाल आदि मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त नहरों और गूल का मुद्दा उठा

जखोली। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर ब्लॉक के डंगवाल गांव में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के सामने रखीं। ग्रामीणों ने सड़क संबंधी समस्याओं के साथ भूस्खलन, क्षतिग्रस्त नहरों और आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई गूल की मरम्मत का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। अधिकारियों ने शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

कोषाध्यक्ष व सहसचिव पद छात्राओं के लिए आरक्षित

अगस्त्यमुनि। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव को लेकर पदों का आरक्षण तय कर दिया गया है। चुनाव प्रभारी डॉ. सुखपाल रौतेला ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से जारी नियमों के अनुसार छात्रसंघ चुनाव 2026–27 में कोषाध्यक्ष और सहसचिव पद छात्राओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव 29 सितंबर को होंगे। चुनाव कार्यक्रम को लेकर महाविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

खो–खो में खेड़ा विजेता और मौगी की टीम उप विजेता रही

थत्यूड़ (टिहरी)। धनोल्टी विधानसभा क्षेत्र की खेल महाकुंभ के अंडर 19 बालक वर्ग खो–खो प्रतियोगिता में खेड़ा की टीम विजेता, मौगी की उप विजेता तथा सरोट की टीम तीसरे स्थान पर रही। विजेता खिलाड़ियों और टीमों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज थत्यूड़ के मैदान में खेल महाकुंभ के तहत संपन्न प्रतियोगिता के 100 मीटर दौड़ में आर्यन रावत, अंशुल, अनमोल, 200 मीटर दौड़ में आर्यन, शिवांश सिंह, ऋषभ नकोटी, 400 मीटर में पीयूष सिंह, धर्मेंद्र, सौरभ रावत, 800 मीटर में दीपक रावत, धर्मेंद्र, पीयूष ने क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री धामी से मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री राकेश शुक्ला के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों के साथ ही दोनों राज्यों में संचालित विकास योजनाओं एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान राज्यों के बीच आपसी सहयोग, अनुभवों के आदान–प्रदान तथा विकास के विभिन्न क्षेत्रों में संभावनाओं को लेकर भी विचार–विमर्श किया गया। मध्य प्रदेश सरकार में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग का दायित्व संभाल रहे श्री राकेश शुक्ला के साथ भेंट के दौरान स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार तथा सतत विकास से जुड़े विषयों पर भी

चर्चा हुई। मध्य प्रदेश में सौर एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के प्रयासों को देखते हुए ऊर्जा क्षेत्र में दोनों राज्यों के अनुभवों और संभावनाओं के आदान–प्रदान को महत्वपूर्ण माना गया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के बीच लंबे समय से आत्मीय एवं सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में अनुभवों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान–प्रदान विकास की गति को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक हो सकता है।इस अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने भी उत्तराखंड के विकास एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों को लेकर चर्चा की।

टीन शेड के दो कमरों में चल रहा पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय

कर्णप्रयाग। पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय टीन शेड के दो कमरों में संचालित हो रहा है। परिसर में कई पुराने भवन जर्जर हालत में हैं जिससे हादसों का खतरा बना हुआ है। अपर बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास पुलिस उपाधीक्षक, एलआईयू और स्पेशल ब्रांच के कार्यालय हैं। पुलिस उपाधीक्षक और एलआईयू के दफ्तर टीन शेड में चल रहे हैं। स्पेशल ब्रांच एक आवासीय भवन से संचालित होती है। परिसर में पर्याप्त जगह होने के बावजूद दो से अधिक भवन खराब स्थिति में हैं। इनके खिड़की–दरवाजे टूट चुके हैं और दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लोगों के अनुसार यह टीन शेड वर्ष 1962 में पुलिस थाना स्थापित करने के लिए बना था। बाद में थाना स्थानांतरित होकर कोतवाली में बदल गया। इसके बाद पुराने टीन शेड में पुलिस उपाधीक्षक, एलआईयू और स्पेशल ब्रांच के कार्यालय स्थापित हुए। वरिष्ठ अधिवक्ता भुवन नौटियाल ने बताया कि लोग छह दशक से इसके पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि जीणोद्धार के लिए उच्चाधिकारियों को प्रस्ताव भेजा गया है और वित्तीय स्वीकृति मिलने पर ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

पीपलकोटी। सैंजी गांव में आयोजित तीन दिवसीय विश्वकर्मा औद्योगिक विकास मेले का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। तीन दिनों तक सैंजी गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। मेले में कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। मेले की अंतिम संध्या पर स्कूली बच्चों और महिला संगठनों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। देर शाम तक लोग पंडाल में डटे रहे। समापन अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण खत्री, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष गजेंद्र रावत, भाजपा नेता रघुवीर बिष्ट, गौरव फरस्वाण, सुंदर फरस्वाण, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष मोहन सिंह नेगी, भगत फरस्वाण, राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

अपने ही मंत्री के खिलाफ भाजपा में बगावत के सुर!

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा में चकराता को लेकर पार्टी के भीतर की नाराजगी अब खुलकर सामने आती दिखाई दी। रविवार को चकराता क्षेत्र से जुड़े भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने समाज कल्याण मंत्री खजान दास के यमुना कॉलोनी स्थित सरकारी आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने योजनाओं के चयन में पार्टी कार्यकर्ताओं की कथित अनदेखी का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि चकराता विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए स्वीकृत योजनाओं के चयन में उनके प्रस्तावों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिली। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस मुद्दे को लेकर पहले भी मंत्री से बातचीत की गई थी, लेकिन समाधान नहीं निकलने पर विरोध प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ा।

"चकराता क्यों नहीं जीत पा रहे हैं, वजह यही है"

प्रदर्शन के दौरान मधु चौहान ने पार्टी संगठन और चकराता में भाजपा की राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठाते हुए कहा– "चकराता क्यों नहीं जीत पा रहे हैं, वजह यही है।"

उनका कहना था कि क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखना जरूरी है। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित योजनाओं की सूची की समीक्षा और कथित तौर पर छूटे प्रस्तावों पर पुनर्विचार की मांग उठाई।

कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी रहे मौजूद

प्रदर्शन में मूरत राम शर्मा, प्रताप राव, गीता राम गौड़, कमलेश भट्ट सहित भाजपा के जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने अपनी नाराजगी खुलकर सामने रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री खजान दास से मुलाकात भी की। रिपोर्ट के अनुसार मंत्री ने मामले के समाधान का प्रयास किया और समीक्षा का आश्वासन दिया, लेकिन प्रदर्शनकारी पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुए। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मामले को उनके सामने रखने का निर्णय लिया।

आईआईटी रुड़की दीक्षांत समारोह में 2,701 डिग्रियां प्रदान

रुड़की, । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) के दो दिवसीय दीक्षांत समारोह–2026 का समापन उच्च शिक्षा, शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता की उपलब्धियों के साथ हुआ। समारोह के दूसरे दिन स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल विद्यार्थियों को कुल 1,424 डिग्रियां प्रदान की गईं।

दूसरे दिन प्रदान की गई डिग्रियों में 903 स्नातकोत्तर, 518 पीएचडी/पीएचडी ड्यूल तथा 3 एमएस बाय रिसर्च डिग्रियां शामिल रहीं। इस अवसर पर हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हर्षवर्धन छिताले मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि आईआईटी रुड़की के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र एवं ऑयलमैक्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक तथा एशियन एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. कपिल गर्ग सम्मानित अतिथि रहे।

518 पीएचडी डिग्रियां, संस्थान के इतिहास में सबसे अधिक

दीक्षांत समारोह का प्रमुख आकर्षण 518 पीएचडी डिग्रियों का प्रदान किया जाना रहा, जो आईआईटी रुड़की द्वारा अब तक प्रदान की गई पीएचडी डिग्रियों की सबसे अधिक संख्या है। संस्थान के अनुसार यह उपलब्धि उन्नत शोध, ज्ञान सृजन और नवाचार पर बढ़ते जोर को दर्शाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों के तहत संस्थान ने पहली बार डॉक्टोरल कार्यक्रम से बाहर होने वाले विद्यार्थियों को एमएस बाय रिसर्च की डिग्री भी प्रदान की।

स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने वालों में एम.आर्क., एम.टेक., एम.एससी., एम.यू.आर.पी., एमबीए, ई–एमबीए, एम.डिजाइन और पीजी डिप्लोमा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल रहे।

71 पुरस्कार और 33 पदक प्रदान

दीक्षांत समारोह के दूसरे दिन स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल विद्यार्थियों को कुल 71 पुरस्कार और 33 पदक प्रदान किए गए। इनमें संस्थान द्वारा स्थापित 4 पुरस्कार और 19 पदक तथा दानदाताओं द्वारा प्रायोजित 34 पुरस्कार और 14 पदक शामिल रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन में 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन: जेलेंस्की ने 7 देशों के नेताओं की मेजबानी की, सहयोग बढ़ाने पर जोर

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को पश्चिमी यूक्रेन में सात क्षेत्रीय देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों के साथ 'कार्पेथियन एट' शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। बैठक का उद्देश्य आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इसमें यूक्रेन, रोमानिया, सर्बिया, पोलैंड, स्लोवाकिया, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया और हंगरी शामिल हैं। यूरोपीय संघ भी इसमें शामिल है। जेलेंस्की ने कहा कि देश सुरक्षा, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, सीमा-पार आर्थिक संबंधों और स्थानीय समुदायों के समर्थन पर मिलकर काम करेंगे। यह बैठक ऐसे समय हुई जब यूक्रेन के कई क्षेत्रों में रातभर रूसी हमलों से आग लगी और लोगों की मौत तथा कई लोग घायल हुए। झिटोमिर क्षेत्र में दो लोगों की मौत और दो घायल हुए। खार्किव क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिक ट्रेन पर हमले में एक व्यक्ति की मौत और छह घायल हुए। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ से करीब 3.8 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता भी मिली है।

अमेरिका: मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला की राष्ट्रपति से पहली बार मिलेंगे ट्रंप, न्यूयॉर्क में होगी बैठक

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से पहली बार मुलाकात करेंगे। ट्रंप प्रशासन ने देश के पूर्व नेता को पकड़ने और रोड्रिगेज को असल में सत्ता सौंपने के लिए एक ऑपरेशन चलाया था, जिसके बाद यह मुलाकात हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में दोनों नेताओं के बीच होने वाली मुलाकात एक पुल-असाइड होगी।(यह कूटनीतिक भाषा में ऐसी मुलाकात को कहते हैं जो औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की तुलना में ज्यादा अनौपचारिक होती है। बता दें कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के लिए शहर में होंगे।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप का नया दांव: कब्जे की धमकी के बाद डेनमार्क से समझौता, बढ़ेगी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एलान किया कि अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने को लेकर समझौता हो गया है। खास बात यह है कि इस समझौते के बावजूद ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन ही रहेगा। ट्रंप ने पिछले कई महीनों से इस द्वीप को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की बात कही थी और सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना से भी इनकार नहीं किया था। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि समझौता ग्रीनलैंड की सुरक्षा और अमेरिका की दूसरी जरूरतों पर उसे स्थायी नियंत्रण देता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन ग्रीनलैंड में बड़ी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी विकसित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करेगा। ग्रीनलैंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है और आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति इसे अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

पाकिस्तान के मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक के लंदन स्थित घर में घुसे 2 नकाबपोश, हत्या की कोशिश का दावा

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन से जुड़ी बड़ी खबर है। लंदन में एमक्यूएम संस्थापक अल्ताफ हुसैन के घर में 2 नकाबपोश लोगों के घुसने की कोशिश का दावा किया गया है। एमक्यूएम की ओर से सीसीटीवी फुटेज जारी कर कहा गया है कि दो नकाबपोश लोगों ने अल्ताफ हुसैन के लंदन स्थित घर में घुसने की कोशिश की। पार्टी ने इस घटना को हत्या की कोशिश बताया है। एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि हमलावर ट्रेंड थे और यह हमला अल्ताफ हुसैन की हत्या की कोशिश हो सकता है। उन्होंने कहा कि अल्ताफ हुसैन की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन सरकार को मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उन्हें सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए। एमक्यूएम की ओर से साझा किए गए सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर दो नकाबपोश लोग घर में प्रवेश करने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। पार्टी का दावा है कि इस घटना के दौरान अल्ताफ हुसैन को कोई नुकसान नहीं हुआ और उनकी जान अल्लाह की रहमत और लोगों की दुआओं से बची। अल्ताफ हुसैन पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट यानी एमक्यूएम के संस्थापक हैं। उनके माता-पिता विभाजन के बाद भारत से पाकिस्तान चले गए थे।

जिनपिंग के दौरे की तैयारी: ट्रंप एयरपोर्ट पर करेंगे स्वागत; किन मुद्दों पर होगी बात, क्या व्यापार तनाव घटेगा?

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते अमेरिका आएंगे। यह एक दशक से ज्यादा समय बाद चीन के किसी नेता की पहली राजकीय यात्रा होगी। शी वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता व्हाइट हाउस में अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इसके साथ ही दोनों के बीच अनौपचारिक बातचीत भी होगी। शी का विमान बुधवार को वाशिंगटन के बाहर स्थित ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पहुंचेगा। ट्रंप खुद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने मौजूद रहेंगे। वरिष्ठ अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। आमतौर पर ट्रंप विदेशी नेताओं से व्हाइट हाउस में मिलते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करना असामान्य है। शी की यात्रा का मुख्य कार्यक्रम गुरुवार को होगा। ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत करेंगे। इसके लिए व्हाइट हाउस के स्टेट फ्लोर पर एक स्वागत समारोह होगा। यह समारोह घर के अंदर आयोजित किया जाएगा।

इसके बाद ट्रंप और शी रोज गार्डन में सैनिकों का निरीक्षण करेंगे। फिर दोनों नेता बंद कमरे में बातचीत करेंगे। इस बातचीत में दोनों देशों के अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। मेलानिया ट्रंप और पेंग लियुआन का अलग कार्यक्रम होगा। उधर उनके पति दोनों देशों के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने

शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में इसकी ज्यादा जानकारी नहीं दी। गुरुवार को शी और उनकी पत्नी राजकीय रात्रिभोज में मेहमान होंगे। ट्रंप और प्रथम महिला इस रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। यह रात्रिभोज व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में होगा। ट्रंप ने कहा कि हर कोई इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहता है। दोनों नेता इस मौके पर भाषण भी देंगे।

रात्रिभोज पर कौन-कौन मेहमान होंगे शामिल : ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा कि हजारों लोग इस रात्रिभोज में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि व्हाइट हाउस में बनाया जा रहा 1,000 लोगों की क्षमता वाला नया बॉलरूम अभी तैयार नहीं है। इस वजह से यह कार्यक्रम वहां नहीं हो सकेगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कई बहुत अच्छे दोस्तों से कह दिया है कि वे इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते। व्हाइट हाउस ने रात्रिभोज में आने वाले कुछ लोगों के नाम बताए लेकिन ट्रंप के तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कुछ दोस्तों को रात्रिभोज में आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, रात्रिभोज में शामिल होने वाले लोगों में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस भी हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क भी शामिल होंगे। गूगल के सुंदर पिचाई भी मेहमानों की सूची में हैं। डेल टेक्नोलॉजीज के सीईओ माइकल डेल भी इसमें शामिल होंगे। सूची में एनवीडिया के जेंसन हुआंग, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, सिटीग्रुप की सीईओ जेन फ्रेजर भी आएंगी। एपल के सीईओ पद से हाल ही में हटे टिम कुक भी मेहमान पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। अगले शुक्रवार को शी और पेंग लियुआन फिर व्हाइट हाउस आएंगे। वे ट्रंप दंपती के साथ निजी चाय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद ट्रंप दंपती उन्हें नेशनल आर्काइव्स का दौरा कराएंगे। यहां अमेरिका के इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पुराने दस्तावेज रखे हैं। अमेरिका अपनी 250वीं वर्षगांठ मना रहा है।

क्या टैरिफ पर दोनों देशों के बीच बनेगी बात : दौरे के बाद शी ज्वाइंट बेस एंड्र्यूज जाएंगे। यात्रा के दूसरे अहम मुद्दों पर भी अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी। इनमें टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। अमेरिका और चीन कुछ गैर-जरूरी सामान पर टैरिफ कम कर सकते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उनके अनुसार, यह कदम कुछ सीमित सामानों पर लागू हो सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है। अधिकारियों ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने उनके लिए ऐसी शर्तें तय की थीं।

क्या दुर्लभ खनिज पर अमेरिका देगा कोई राहत: हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका अभी अपने निर्यात नियंत्रण में ढील देने के लिए तैयार नहीं है। इसका मतलब है कि दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर अमेरिकी नियंत्रण में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि चीन की ओर से इन खनिजों की पर्याप्त और स्वीकार्य आपूर्ति बनाए रखने पर चर्चा होगी। लेकिन अमेरिका के निर्यात नियंत्रण कम करने के बदले चीन की ओर से कुछ देने जैसा कोई समझौता होने की संभावना कम है।

इस्राइली राष्ट्रपति ने की अहमदिया मुसलमानों की तारीफ

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने अहमदिया मुसलमानों की सराहना की। उन्होंने उन्हें 'साथ मिलकर जीवन जीने, सहनशीलता और सम्मान' का उदाहरण बताया। हर्जोग ने यह बात हाइफा में अहमदिया समुदाय के वार्षिक सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन में अलग-अलग समुदायों के धर्मगुरू शामिल हुए। इसमें शिक्षाविद और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी मौजूद थे।

जलसा सालाना में क्या चर्चा हुई : अहमदिया समुदाय का 29वां वार्षिक सम्मेलन इस सप्ताह हाइफा में हुआ। इसे 'जलसा सालाना' कहा जाता है। इस सम्मेलन में मदीना के ऐतिहासिक संविधान पर चर्चा हुई। इसमें चर्चा की गई कि यह संविधान आज साझा नागरिकता के बारे में क्या सीख दे सकता है। अलग-अलग समुदायों के बीच संबंधों पर भी चर्चा हुई। आपसी जिम्मेदारी पर भी विचार किया गया। शांति बनाने में धर्म की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

कार्यक्रम में कौन-कौन मौजूद रहे : हर्जोग ने गुरुवार को सम्मेलन में हिस्सा लिया। उनके साथ हाइफा के मेयर योना याहव भी थे। सम्मेलन में धर्मगुरू, शिक्षाविद और इस्राइली संसद यानी नेसेट के सदस्य भी शामिल हुए। हाइफा के पूर्व मेयर भी मौजूद थे। प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक हस्तियां भी सम्मेलन में आईं। राजनयिक भी इसमें शामिल हुए। इनमें भारतीय राजदूत जेपी सिंह भी मौजूद थे। कई अन्य देशों से आए मेहमानों ने भी इस अहम सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस्राइली राष्ट्रपति ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्यक्रम के बारे में पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अगर दुनिया के ज्यादा लोग इस सभा को देख पाते और इस्राइली समाज का यह चेहरा भी जान पाते, तो अच्छा होता। हर्जोग ने अहमदिया समुदाय के नेता अमीर मुहम्मद शरीफ ओदेह का भी धन्यवाद किया। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उनका आभार जताया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए हर्जोग ने अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच बातचीत की अहमियत पर जोर दिया।

अहमदिया समुदाय की तारीफ की : उन्होंने अहमदिया मुस्लिम समुदाय के शांति और सहनशीलता के विचारों की तारीफ की। उन्होंने यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत बढ़ाने में समुदाय के योगदान की भी सराहना की। पश्चिम एशिया में यहूदी और मुस्लिम लोगों के बीच बातचीत का जिक्र करते हुए हर्जोग ने कहा कि अहमदिया समुदाय सम्मान और हिम्मत के साथ बातचीत का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत मतभेदों को स्वीकार करती है। साथ ही, यह लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का काम करती है। भारतीय मूल के ईकान अहमद शम्स भी सम्मेलन में शामिल हुए। उनके पिता शम्सुद्दीन दो दशक से ज्यादा समय पहले भारत से इस्राइल आए थे। वह समुदाय के इमाम हैं।

सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनाव?: रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज, यमन में भी हुए हमले

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार तड़के धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है।

साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300 तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-नियंत्रित यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया। इससे पहले चेतावनी दी गई थी, 'अल-खर्ज गवर्नरेट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया है।' सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था।

सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। अब इस संघर्ष का असर सऊदी की अहम ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर भी पड़ा है। सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कम से कम दो यूरोपीय रिफाइनिंग ग्राहकों को बताया है कि उन्हें अगले महीने यानी अक्तूबर में कच्चे तेल की डिलीवरी नहीं मिलेगी।

रूस में संसदीय चुनाव: युद्धकालीन वोटिंग में क्रेमलिन की पकड़ मजबूत, युद्धकाल और ड्रोन हमलों के साए में मतदान

मॉस्को, एजेंसी। रूस में शुक्रवार, 18 सितंबर को देश के पहले युद्धकालीन संसदीय चुनाव के लिए तीन दिवसीय मतदान शुरू हुआ। इन चुनावों में लगभग कोई वास्तविक विपक्ष नहीं है, जिससे क्रेमलिन की राजनीतिक प्रभुत्व सुरक्षित रहने की पूरी संभावना है। अधिकारियों ने 11 करोड़ 10 लाख पात्र मतदाताओं के बीच मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सप्ताहांत तक चुनाव फैला दिए हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक मतदान की भी अनुमति दी गई, जिससे मतदाताओं को सुविधा मिली। सेंट्रल इलेक्शन कमीशन के अनुसार, शुक्रवार देर शाम तक ऑनलाइन मतदान सहित करीब 30 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। क्रेमलिन इन संसदीय चुनावों को यूक्रेन पर 2022 के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद पहला चुनाव मान रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य युद्ध के लिए जन

समर्थन को रेखांकित करना और अपनी सैन्य कार्रवाई को वैधता प्रदान करना है। क्रेमलिन ने असंतोष के जरा से भी संकेत को दबाकर किसी भी राजनीतिक जोखिम से बचने की पूरी कोशिश की है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मतदान से पहले राष्ट्र से एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रूसी लोगों का चुनाव और संकल्प एक बार फिर दिखाएगा कि लाखों लोग उनके सैनिकों के साथ खड़े हैं। पुतिन ने जोर दिया कि रूसी लोग साझा मूल्यों, ऐतिहासिक स्मृति और मातृभूमि के प्रति प्रेम से बंधे एक एकजुट लोग हैं।

क्रेमलिन ने बताया कि पुतिन ने शुक्रवार को ऑनलाइन मतदान किया। कंप्यूटर स्क्रीन के सामने उनकी तस्वीरें भी जारी की गईं, जो उनकी डिजिटल भागीदारी को दर्शाती हैं। मुख्य क्रेमलिन दल, यूनाइटेड रूस, का निचली सदन, स्टेट ड्यूमा पर भारी नियंत्रण बनाए रखना लगभग तय है। 'व्यवस्थित विपक्ष' की कई छोटी पार्टियां भी अपनी उपस्थिति बनाए रखने की उम्मीद कर रही हैं। ये दल सभी प्रमुख मुद्दों पर सरकार के साथ मिलकर मतदान करते हैं, जिससे उनकी भूमिका सीमित रहती है। मतदाता दो अलग-अलग मतपत्र डालते हैं। ड्यूमा की 450 सीटों में से आधी राजनीतिक दलों का चयन करके भरी जाती हैं। शेष सीटों पर एकल-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा जाता है, जहां मतदाता व्यक्तिगत उम्मीदवारों का चयन करते हैं। क्या रूसी नागरिक चुनावों से अलग भविष्य की उम्मीद कर रहे हैं? एसोसिएटेड प्रेस द्वारा साक्षात्कार किए गए रूसियों ने चुनाव से अलग-अलग उम्मीदें व्यक्त कीं। मॉस्को के दिमित्री किरिलिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में बदलाव देखने की इच्छा व्यक्त की। वह एक अलग दल को सत्ता में देखना चाहते थे। हालांकि, मॉस्को के अलेक्जेंडर वर्तुखिन का मानना था कि यूनाइटेड रूस और कम्युनिस्ट जो कर रहे हैं, वह पर्याप्त है। उनके अनुसार, इन दलों के मंच सभी मुद्दों को कवर करते हैं। मॉस्को के एक मतदान केंद्र पर शुक्रवार को पेंशनभोगी गैलिना वाविलोवा ने अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण बात है। वाविलोवा ने जोर दिया।

ट्रंप ने रूस पर प्रतिबंध बढ़ाने वाले कानून पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत रूस पर प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाया गया है और रूसी तेल व गैस के बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध लगाने के अधिकार को भी पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है। ट्रंप ने शुक्रवार को 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कानून रूस पर कानूनी प्रतिबंध, टैरिफ और रोक लगाने तथा उन्हें बढ़ाने का अधिकार देता है। साथ ही ईरान पर पहले से लगे प्रतिबंधों को भी बढ़ाता है। रिपब्लिकन सीनेटर केटी ब्रिट के बयान के अनुसार, यह कानून राष्ट्रपति को निर्देश देता है कि वे रूसी कच्चे तेल या गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर्स

(आयातकों) पर या रूसी तेल प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाएं। न तो साइन करने की घोषणा में और न ही लॉ मेकर्स के बयानों में उन देशों का नाम बताया गया जिन पर ये टैरिफ लगाए जाएंगे। उन्होंने किसी खास देश के लिए टैरिफ दर की भी घोषणा नहीं की। ब्रिट के ऑफिस ने कहा कि इस कानून में उन देशों के लिए छूट का प्रावधान है जो रूस से इतनी प्राकृतिक गैस इंपोर्ट करते हैं जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस एक्सपोर्ट (निर्यात) का 15 प्रतिशत से भी कम है, बशर्ते वे इस इंपोर्ट को कम करने के लिए अहम कदम उठा रहे हों। ये प्रतिबंध सिर्फ ऊर्जा की खरीद तक ही सीमित नहीं हैं। सीनेटर के बयान के अनुसार, इनका निशाना रूसी अधिकारी, अमीर कारोबारी (ओलिगार्क), उनके परिवार के सदस्य, विदेशी लोग, रूसी बैंक और वित्तीय संस्थान और साथ ही रूस का 'शैडो फ्लीट' (गुप्त रूप से काम करने वाले जहाजों का बेड़ा) हैं। इस कानून में रूस और यूक्रेन में उसके युद्ध का समर्थन करने वालों के खिलाफ प्राइमरी और सेकेंडरी, दोनों तरह के प्रतिबंधों का प्रावधान है। अलबामा की रिपब्लिकन नेता ब्रिट, इस बिल पर दस्तखत के समय ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ मौजूद थीं। उनके ऑफिस ने बताया कि टेक्सास के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइकल मैककॉल भी वहां मौजूद थे। ब्रिट ने कहा, 'आज इस बिल पर दस्तखत करके राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस और उन सभी देशों को एक साफ संदेश दिया है, जो रूस की युद्ध मशीन को फंड देते हैं कि यूक्रेन के खिलाफ उनके आक्रामक कदमों का विरोध करने में अमेरिका एकजुट है।

उन्होंने इस बिल को पास कराने का श्रेय कांग्रेस के दोनों सदनों और व्हाइट हाउस में अपने सहयोगियों को दिया। उन्होंने इस कानून पर ग्राहम के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अगर उनकी कड़ी मेहनत न होती तो हम आज यहां नहीं होते और उनकी विरासत के इतने अहम हिस्से को आगे बढ़ाने में मदद करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात है। इस कानून का समर्थन करने वाले इडाहो के रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइक सिम्पसन ने अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंधों को युद्ध खत्म करने की कोशिशों को आगे बढ़ाने का एक जरिया बताया।

बालों से घसीटा, 154 कोड़े और 44 साल की सजा: जेल में भी नहीं टूटीं नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी; लिख डाली किताब

तेहरान/ओस्लो, एजेंसी। तेहरान की कुख्यात एविन जेल की ऊंची और अंधेरी दीवारों के पीछे जब कैदियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ने के लिए डंडों से पीटा जा रहा था, तब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी चुपचाप कागज के टुकड़ों पर एक इतिहास दर्ज कर रही थीं। कई बार सुरक्षाबलों ने पन्ने जब्त कर लिए, 20 से ज्यादा डायरियां हिंसा में खो गईं, लेकिन उन्होंने लिखना बंद नहीं किया। जेल से मिले अस्थायी मेडिकल पैरोल के दौरान नरगिस ने इन्हीं पन्नों को एक संस्मरण का रूप दिया है, 'अ वुमन नेवर स्टॉप्स फाइटिंग'। उनकी यह किताब इसी महीने यूरोप के कई देशों में रिलीज हो रही है। सीएनएन को दिए एक बेहद बेबाक इंटरव्यू में 54 वर्षीय मानवाधिकार कार्यकर्ता ने जेल में दी जाने वाली अमानवीय यातनाओं और उन अधिकारियों के चेहरों को बेनकाब किया है जो इन अत्याचारों के लिए सीधे जिम्मेदार हैं। विभिन्न भाषाओं में अमन लिखे रंग-बिरंगे लिबास में महसा अमीनी की तस्वीर के आगे बैठीं नरगिस ने साफ कहा, इस किताब के बाद मुझे दोबारा जेल और गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं, लेकिन इस देश और इलाके में हमारे जीवन की यही कड़वी हकीकत है। इन जुल्मों का पर्दाफाश करना और सच को सामने लाना मेरा पहला फर्ज है।' नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, ईरानी शासन के खिलाफ मानवाधिकारों और महिला स्वतंत्रता की आवाज उठाने के लिए नरगिस को अब तक कुल मिलाकर 44

साल से अधिक की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई जा चुकी है। हालिया महीनों में उनके साथ हुई बर्बरता पर नार्वेजियन नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोर्गन वात्ने फ्राइडनेस ने रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि गिरफ्तारी के दौरान डंडों और लाठियों से उनके सिर पर इतना मारा गया और उन्हें बालों से घसीटा गया कि उनके सिर में गहरे खुले घाव हो गए। घायल हालत में उन्हें दो महीने तक तन्हाई बैरक में रखा गया, जहां न तो उन्हें परिवार से मिलने की इजाजत थी और न ही अपने वकीलों या डॉक्टरों से बात करने की। मार्च में जेल के भीतर उन्हें संदिग्ध दिल का दौरा पड़ा। उनका वजन 20 किलोग्राम गिर गया। अत्यधिक मानसिक तनाव के कारण दिल की बीमारी गहराने पर उन्हें 18 दिन अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। नरगिस की डायरी पन्नों ने कई खुलासे किए हैं जिनमें सीधा कत्ल करने के बजाय इंसान को मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक रूप से तिल-तिल कर तोड़ना, व्यक्ति की पहचान, मानवीय गरिमा और सोचने-समझने की क्षमता को पूरी तरह कुचल देना।

संयुक्त राष्ट्र के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती : ट्रंप प्रशासन

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि उसने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के बजट में 1 अरब डॉलर से ज्यादा की कटौती सुनिश्चित की। इसके साथ ही मुख्यालय के स्टाफ और शांति सैनिकों की संख्या में भी कमी की गई। यह बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले हफ्ते महासभा को संबोधित करने से पहले आया है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यालय के 3,000 पदों में कटौती की जा रही है और दुनिया भर में 25 प्रतिशत से अधिक शांति सैनिकों को वापस भेजा जा रहा है। प्रशासन ने इन कटौतियों को संयुक्त राष्ट्र के काम को सीमित करने और उसके संसाधनों को शांति और सुरक्षा पर केंद्रित करने के प्रयास के रूप में पेश किया। ब्रीफिंग में बचत, प्रभावित पदों या शांति अभियानों का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया। अधिकारी ने कहा, 'अब संयुक्त राष्ट्र के बजट में एक अरब डॉलर से अधिक की कटौती की गई है।'

अधिकारी ने इन कटौतियों को संगठन के 80 साल के इतिहास में पहली बार बताया और इसका श्रेय ट्रंप और विदेश मंत्री को दिया। इस ऐतिहासिक दावे के साथ ब्रीफिंग के दौरान कोई आंकड़े नहीं दिए गए। अधिकारी ने कहा, 'हम इसे संयुक्त राष्ट्र को डाइट पर रखना कहते हैं।'

प्रशासन का तर्क है कि संगठन ने बहुत सारी जिम्मेदारियां

ले ली हैं और उसे संघर्षों को सुलझाने पर ध्यान देना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि बजट पर सहमति हासिल करने के लिए आम सहमति और व्यापक कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत थी। अधिकारी को उम्मीद है कि ट्रंप अपने महासभा संबोधन में सुधारों पर चर्चा करेंगे, हालांकि भाषण की अंतिम सामग्री की घोषणा नहीं की गई थी। अधिकारी ने प्रशासन के इस कदम को संस्था को फिर से जीवित करने का अभियान बताया। उन्होंने कहा, 'हमने इसे मिलकर 'मुंगा', यानी 'मेक द यूएन ग्रेट अगेन' के रूप में रीब्रांड करने पर काम किया है। उन्होंने वार्षिक बैठक के कूटनीतिक महत्व का भी बचाव किया। मैनहट्टन में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, विदेश मंत्रियों, व्यापारिक नेताओं और राजनयिकों के जमावड़े से ऐसे अवसर पैदा होते हैं जिन्हें कहीं और दोहराना मुश्किल है। अधिकारी ने पिछले साल की बैठक का जिक्र किया, जब ट्रंप ने खाड़ी देशों और पाकिस्तान, तुर्की और इंडोनेशिया सहित मुस्लिम बहुल देशों को एक साथ लाया था। उन्होंने उन चर्चाओं को बाद में हुए शर्म अल-शेख शांति समझौतों और ट्रंप की 20-सूत्रीय गाजा शांति योजना से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि प्रशासन इस साल की बैठक का उपयोग मौजूदा समझौतों और अनसुलझे कूटनीतिक प्रयासों दोनों को आगे बढ़ाने के लिए करने की उम्मीद करता है। ट्रंप सोमवार दोपहर न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और उस शाम ट्रंप टॉवर में राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वह मंगलवार सुबह महासभा को संबोधित करेंगे। उनके कार्यक्रम में ब्रिटिश और जापानी प्रधानमंत्रियों के साथ बैठकें और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ एक बहुपक्षीय सत्र शामिल है। वह विश्व नेताओं के लिए एक स्वागत समारोह की मेजबानी भी करेंगे और वाशिंगटन लौटने से पहले वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति से मिलेंगे।

घातकः घुस के मारेगा के जरिए फिर साथ आएंगे सनी-संतोषी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की जोड़ी हाल ही में 'बंटवारा 1947' के जरिए लंबे समय बाद साथ आई। फिल्म को दर्शकों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। यह बंटवारे के दर्द से निकली एक इमोशनल कहानी थी। अब एक्टर और डायरेक्टर फिर से अपनी पुरानी फिल्म 'घातक' की सफलता को दोहराने का मन बना चुके हैं। हाल में इसकी चर्चा भी हुई थी कि दोनों फिर साथ आ सकते हैं। अब इस खबर पर मुहर भी लग चुकी है। संतोषी ने खुद 'घातक : घुस के मारेगा' टाइटल के साथ नई फिल्म की पुष्टि की है। नई फिल्म को लेकर रोचक बात ये है कि इसमें सनी 'घातक' वाले किरदार में ही नजर आएंगे, लेकिन फिल्म को उसका सीक्वल नहीं बताया गया है। सनी का वही किरदार नई कहानी और नए संदर्भ में लौटेगा। संतोषी के अनुसार इस किरदार का संबंध भी बनारस से ही है।

सनी की फिल्म के अलावा संतोषी अपनी 1994 की कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' भी ला रहे हैं। नई फिल्म का टाइटल 'अदा अपनी अपनी' होगा। हालांकि यह सीक्वल नहीं होगी। निर्देशक के मुताबिक, इसकी कहानी अलग होगी, लेकिन कॉमेडी और एडवेंचर का जॉनर वही रहेगा। फिल्म में आमिर खान और सलमान खान की वापसी होगी या नहीं, इस पर उन्होंने अभी कुछ साफ नहीं किया है।

'बाप' और 'गबरू' के जरिए भी सनी का दिखेगा नया रूप

सनी के खाते में कुछ और फिल्में भी हैं। जिनकी झलक हाल फिलहाल में दूसरी फिल्मों के शोज में टीजर के जरिए सामने आई हैं। इनमें फिल्म 'बाप' शामिल है, जो लंबे समय से अटकी हुई थी। वहीं 'बंटवारा 1947' के साथ ही सिनेमाघरों में दिखाया गया सनी की फिल्म 'गबरू' का टीजर भी चर्चा में हैं। शशांक उदापुरकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी के साथ सिमरन और प्रीत कमानी नजर आएंगी। यह फिल्म उनके दिल के काफी करीब भी है। संतोषी ने यह भी बताया कि वह सनी के साथ सिर्फ इसी फिल्म पर ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके पास सनी के साथ दो-तीन और कहानियां कतार में हैं। इनमें एक फिल्म में सनी

अमेरिका में रहने वाले सरदार के किरदार में दिखेंगे। वहीं 'जाट' के सीक्वल 'जाट 2' को लेकर भी संतोषी ने स्थिति साफ की है कि 'जाट 2' का निर्देशन वह नहीं करेंगे।

'मॉन्स्टर' से अलग है मेरी फिल्म

पैन इंडिया एक्शन ड्रामा 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' की शूटिंग शुरू होने से पहले ही फिल्म का टाइटल रिवील पोस्टर और 65 सेकंड का मोशन पोस्टर जारी किया गया। इसमें डॉ. शिवराजकुमार का अब तक का सबसे खौफनाक और हिंसक अवतार नजर आ रहा है। पोस्टर पर 'शूट बिगिन्स, वॉर बिगिन्स' लिखा है।

टाइटल की घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर सलमान खान की आगामी फिल्म 'मॉन्स्टर' से इसकी तुलना शुरू हो गई। दोनों फिल्मों के नाम में समानता को लेकर चल रही बहस पर शिवराजकुमार ने साफ किया कि दोनों फिल्मों की कहानियां अलग हैं। उन्होंने कहा... 'यह शिवा बनाम सलमान नहीं है, हम एक हैं।' शिवराजकुमार कहते हैं... 'अगर भगवान की मर्जी रही तो हम साथ काम करेंगे। शायद सलमान और मैं इस बारे में आगे कभी विचार करें।'

ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं

'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए।

आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। नायला ने कहा, ''महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं।'' नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।'' अभिनेत्री ने तापसी की आने वाली फिल्म 'गांधारी' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यह फिल्म बच्चों की तस्करी जैसे मुद्दे पर बात करती है और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की अहमियत बताती है। मैं खुद भी ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो इस सोच को आगे बढ़ाएं और लोगों को इन मुद्दों के बारे में सोचने पर मजबूर करें।'' इसी बात को आगे बढ़ाते हुए नायला ने महिलाओं की एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''महिलाओं को दूसरी महिलाओं का साथ देना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। अगर महिलाएं ही एक-दूसरे को सपोर्ट नहीं करेंगी, तो फिर इस बदलाव की शुरुआत कौन करेगा।

प्रलय में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में हैं कल्याणी

कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने चर्चित हिंदी डेब्यू प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। 'लोकाह' फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया फिल्म की स्क्रिप्ट के फ्रंट पेज की झलक शेयर करते हुए बताया कि वह इन दिनों मुंबई में रणवीर सिंह के साथ शूटिंग में बिजी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ओणम पर वह तस्वीरें शेयर नहीं कर पाईं, क्योंकि वह पूरी तरह 'प्रलय' की शूटिंग में उलझी हुई हैं। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं।

इसकी स्क्रिप्ट जय और 'लुटेरे' फेम विशाल कपूर ने लिखी है। कल्याणी फिल्म में कैमियो नहीं, बल्कि अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। पहला शेड्यूल दिवाली तक चल सकता है।

फिल्म 'कॉलेज फेस्ट' में दिखाई देंगी रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती एक बार फिर अभिनय की दुनिया में सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन में हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी। अब उनके हाथ एक नई फिल्म लगी है, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'इस फिल्म का नाम 'कॉलेज फेस्ट' है और इसका निर्माण रहा है। फिल्म में रिया चक्रवर्ती के साथ पूरव झा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों कलाकार फिल्म के लिए अपनी शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसमें आशीष चंचलानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉलेज फेस्ट' की कहानी कॉलेज के छात्रों के आसपास घूमती है। हालांकि यह आम कॉलेज फिल्म जैसी नहीं होगी। हाल ही में रिया ने 'द ट्रेटर्स इंडिया 2' में 'द वायरल फीवर' यानी टीवीएफ कर हिस्सा लेकर काफी चर्चा बटोरी थी।

नए शो 'सयोनी' में नजर आएंगी रश्मि देसाई; बताया क्यों ठुकरा रहीं थीं ऑफर्स

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया। रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है। अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाएंगे मोहित सूरी

साल 2025 में आई मोहित सूरी निर्देशित फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में खूब बवाल काटा था। अब वे एक और फिल्म के साथ हाजिर होने वाले हैं। मोहित सूरी नई फिल्म राम गोपाल वर्मा के साथ बनाएंगे। रामू ने बड़े ही रोचक अंदाज में फिल्म की जानकारी फैंस के साथ साझा की है।

राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी एक नई फिल्म पकाने वाले हैं। फिल्म के लिए पकाने जैसा शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि इन्होंने अपनी नई फिल्म का एलान ही कुछ इस अंदाज में किया, मानो कोई व्यंजन पेश करने वाले हैं। राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी और मोहित सूरी की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और 'सैयारा' वाले मोहित सूरी अगली फिल्म साथ में पका रहे हैं। एक लव डिश जो गैंगस्टर करी से भरपूर होगी।

एलान के साथ फैंस उत्साहित

फिलहाल तो दोनों फिल्म मेकर्स ने एक छोटा सा अपडेट देकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही वे पूरी जानकारी भी साझा करेंगे।

मोहित सूरी ने जताई खुशी

मोहित सूरी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह फो री-शेयर की और RGV के लिए अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'उनकी फिल्में देखने और फिल्ममेकर बनने का सपना देखने से लेकर... उनके साथ फिल्म बनाने तक...और वो भी खुद 'OG गैंगस्टर' राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाने का सपना मिला है। कुछ सफर सच में पूरे हो जाते हैं। यह बात सीधे दिल से निकल रही है'।

मंगला गौरी के लिए रुक्मिणी वसंत ने पहनी खाकी

रुक्मिणी वसंत अपनी अपकमिंग कन्नड़ फिल्म मंगला गौरी में एकदम अलग अंदाज़ में नजर आने वाली हैं। राहुल पीके के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म को राहुल पीके और पूजा सुधीर ने लिखा है। फिल्म के फर्स्ट लुक में रुक्मिणी पुलिस यूनिफॉर्म में स्कूटर पर बैठी नजर आ रही हैं, जिससे ऑडियंस को उनके नए कैरेक्टर की पहली झलक मिलती है। उनके साथ फ्रेम में वेटरन एक्ट्रेस मालाश्री भी नजर आ रही हैं। दोनों लीडिंग लेडीज़ की यह जोड़ी एक ऐसी कहानी का हिस्सा है, जिसमें दो अलग-अलग जनरेशन की एक्ट्रेसेज को सेंटर स्टेज पर लाया गया है। अपनी नुआन्स्ड परफॉर्मेंसेज़ और नेचुरल स्क्रीन प्रेजेन्स के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी ने अपने फिल्मी सफर में लगातार अलग-अलग तरह के कैरेक्टर्स को एक्सप्लोर किया है। मंगला गौरी में एक्ट्रेस खाकी पहनकर एक ऐसे रोल में कदम रख रही हैं, जो उन्हें अब तक के बिल्कुल अलग सेटिंग में पेश करता है। यह फिल्म फिल्ममेकर हेमंत एम राव के साथ उनकी दूसरी कोलाइबोरेशन भी है। इससे पहले दोनों सप्त सागरदाचे एलो में साथ काम कर चुके हैं। वहीं चक्कह प्रोडक्शंस के साथ यह उनकी दूसरी एसोसिएशन है, इससे पहले वह टॉक्सिक का हिस्सा रह चुकी हैं। मालाश्री के साथ रुक्मिणी की पेयरिंग इस प्रोजेक्ट को और भी इंटरेस्टिंग बनाती है। दो अलग-अलग जनरेशन की दो डिस्टिंक्टिव परफॉर्मर्स का साथ आना फिल्म के लिए एक अलग ही क्यूरियोसिटी क्रिएट करता है। केवीएन प्रोडक्शंस और दक्षिणायनी टॉकीज के बैनर तले बन रही मंगला गौरी में म्यूजिक मिधुन मुकुंदन का है, सिनेमैटोग्राफी श्रीवत्सन सेल्वाराजन ने संभाली है और एक्शन कोरियोग्राफी विक्रम मोर की है। फिल्म को वेंकट के नारायण और हेमंत एम राव ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की 75 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है और बाकी इसका काम कम्प्लीशन की ओर बढ़ रहा है।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

कजाखस्तान को हराया

नागोया । भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले- विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधू ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधू का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है।सिंधू ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

सियोल । डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सुब्रतो कप यू-17

मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

चंडीगढ़। 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8:30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौक़े बनाए।

वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

एशियन गेम्सः सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया

फाइनल में भारत की बेटियां

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया।

यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था। शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था। शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए

मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए। 196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए। भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए।

एशियन गेम्स

चमारी अथापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

निशिन। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अथापट्टू जीत की हीरो रहीं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं। आयशा के रन आउट होने से पाकिस्तान का

निश्चित रूप से कुछ रन पीछे रह गया। कप्तान फातिमा सना ने 12 गेंदों पर नाबाद 20 और सायरा जबीन ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए सुगंदिका कुमारी, कप्तान अथापट्टू और काव्या कविंदी ने 1-1 विकेट लिए।

शैफाली वर्मा ने लगाया T20I करियर का पहला शतक, स्मृति मंधाना को छोड़ा पीछे; 6 बड़े रिकॉर्ड्स किए अपने नाम

शैफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अपने टी20आई क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाने में सफलता हासिल की। शैफाली ने अपना पहला टी20आई शतक 118वें मैच में लगाया और नाबाद 100 रन की पारी खेली। ये शैफाली के टी20आई करियर का बेस्ट स्कोर भी रहा साथ ही अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। यही नहीं उन्होंने टी20आई में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और स्मृति मंधाना पीछे छोड़ दिया।

शैफाली ने तोड़ा स्मृति का रिकॉर्ड- शैफाली ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 9 छक्के लगाए और वो भारतीय महिला टीम की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में स्मृति से आगे आ गईं। शैफाली ने अब तक कुल 104 छक्के लगाए हैं जबकि मंधाना ने कुल 100 छक्के लगाए हैं। हालांकि ओवर ऑल शैफाली इस मामले में चौथे नंबर पर आ गईं।

एशियन गेम्सः भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

दीपिका ने 8 गोल किए

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

एशियन गेम्सः गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, दमदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगी भारत की बेटियां

काकामिगाहारा । भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें रविवार से एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा था, लेकिन अब उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में बेहतर खेल दिखाकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद पूल ए में शामिल भारतीय पुरुष टीम

काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल को बचाने का अभियान शुरू करेगी। वहीं, वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टीम पूल बी के अपने पहले मैच में इसी स्टेडियम में उज्बेकिस्तान का सामना करेगी। एशियन गेम्स में इस खेल के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन भी है। गोल्ड मेडल जीतने वाली टीमों को ओलंपिक 2028 का टिकट मिल जाएगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम और सलीमा टेटे की कप्तानी वाली महिला टीम, दोनों के ही दिमाग में यह बात जरूर होगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम ने आठवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। अब वे एशियन गेम्स में उस अभियान की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर कोच क्रेग फुल्टन ने भी जोर दिया है।

पहले ही दिन भारत की चांदी

महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता रजत; मुर्मू-शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदकों का खाता खोल लिया है। महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के विनोद की तिकड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम के इस प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धि ने खेलों में भारत का पदक खाता खोल दिया है।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन में कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि मेजबान जापान 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहा।

सोनम ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से सोनम उत्तम मस्कर ने क्वालिफिकेशन में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। एलावेनिल वलारिवन 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। वहीं विदर्सा के विनोद ने 630.4 अंक हासिल किए और व्यक्तिगत रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहीं। तीनों के संयुक्त प्रदर्शन ने भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाया।